राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार ,28 सितंबर-2021 वर्ष-4,अंक-247 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तमाकू नियंत्रण अधिनियम-2003 अतंर्गत दिए गई समाधान शुल्क की रसीदो पर जाँच जरूरी :रसीद ओरिजनल या बनावटी

सूरत के भेस्तान आवास में एक घर में तोड़फोड़ की, दंपति को पीटा, उनकी पत्नी को नशीला पदार्थ दिया और भाग गए

क्रांति समय दैनिक समाचार सूरत भेस्तान आवास में आधी रात को कुछ बदमाशों ने एक घर में घुसकर एक दंपती की पिटाई कर दी। अल्पसंख्यक समुदाय के दंपति के चिल्लाने पर पड़ोसी भागे तो हमलावर भाग गए। जमीन पर बेहोश पड़े दंपती को 108 की मदद से इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा.

घायल युवक ने बताया कि 5 दिन पहले पानी को लेकर हुए झगड़े में उसने 8-10 बार हमला कर जान से मारने की कोशिश की थी.

रात में दरवाजा खटखटाने आए आमिर इशाक शेख (पीड़ित) ने कहा, ''मैं साड़ी काटकर अपनी रोजी-रोटी कमाता हूं.'' रविवार की आधी रात को पत्नी के साथ खाना खाया। अचानक दरवाजे पर दस्तक हुई और उन्होंने उसे खोल दिया। 8-10 नकाबपोश इस्मो ने मुझे मारने के लिए तोड़ दिया। बीच-बचाव करने आई मेरी पत्नी शहनाज को भी मेरी आंखों के सामने मार दिया गया और दोनों को घर के बाहर गैलरी में ले जाया गया. उसके बाद फिर से पब्लिक में छाई उनकी पत्नी शहनाज को कोई जहरीली दवा पीने को मजबूर होना पड़ा.

पीड़ित दंपत्ति के उफान पर पड़ोसियों समेत पूरी बिल्डिंग को देख हमलावर भाग गए । पड़ोसियों ने 108 की मदद से घायलों को इलाज के लिए सिविल लाया।

डॉक्टर अब कह रहे हैं कि दोनों की हालत सामान्य है.

भारत बंद के समर्थन में नवसारी किसान मोर्चा द्वारा दिया गया चक्काजाम कार्यक्रम पुलिस ने किया नाकाम

क्रांति समय दैनिक समाचार पंजाब, राजस्थान और हरियाणा समेत देशभर के किसान पिछले कुछ समय से केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कृषि कानून का विरोध कर रहे हैं। भारत ने तब कृषि अधिनियम को निरस्त करने के लिए सोमवार को बंद की घोषणा की। जिसके समर्थन में देश भर में और राज्य स्तर पर काम कर रहे विभिन्न किसान संगठनों ने भी भारत बंद का समर्थन किया. जिसके बाद नवसारी जिले में कार्यरत किसान मोर्चा संगठन ने उन गांव के पास हाईवे पर ट्रकों को रोकने के लिए कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई थी.

जिला पुलिस ने किसान मोर्चा संगठन के नेताओं को सुबह से ही हिरासत में लेना

शुरू कर दिया। कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया। अधिकांश नेताओं को पुलिस ने सुबह-सुबह उनके घरों से उठा लिया और जिला किसान मोर्चा द्वारा पास के एक स्टेशन ले जाया गया अध्यक्ष पिनाकिन पटेल को भी हिरासत में लिया गया और एक ग्रामीण पुलिस स्टेशन की स्थापना की गई। कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी हिरासत में लिया गया।

जिला पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 46 श्रमिकों को हिरासत में लिया गया है और 6 श्रमिकों को हिरासत में भेज दिया गया है. हाईवे के पास पुलिस का कड़ा घेरा बनाया गया है।

हाईवे पर जिला पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारियों को भी तैनात किया गया था. इस बात का ध्यान रखा गया कि कोई किसान संघ का नेता हाईवे पर न पहुंचे और जाम की स्थिति पैदा न हो।

पुलिस ने किसान मोर्चा संगठन को बंद करने की घोषणा को विफल कर दिया। जिले में कहीं भी भारत बंद का कार्यक्रम नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री को सूरत और नवसारी जिला का प्रभारी बनाया

क्रांति समय दैनिक समाचार मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्य सरकार के मंत्रियों को विभिन्न जिलों का प्रभार सौंप दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के नवसारी जिले का राज्य के स्वास्थ्य मंत्री जीतु वाघाणी को प्रभारी बनाया है। इसी के साथ सूरत जिले की जिम्मेदारी भी जीतु वाघाणी को सौंपी गई है। राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी को अहमदाबाद और खेडा का प्रभारी बनाया है। इसी प्रकार ऋषिकेश पटेल को गिर सोमनाथ और जूनागढ़, पूर्णेश मोदी को राजकोट और मोरबी, राघवजी पटेल को भावनगर और बोटाद, कनु देसाई को जामनगर और देवभूमि द्वारका, किरीटसिंह राणा को बनासकांठा और पाटन, नरेश पटेल को वडोदरा और छोटाउदेपुर, प्रदीप परमार को साबरकांठा और अरवल्ली, अर्जुनसिंह चौहाण को मेहसाणा, हर्ष संघवी को गांधीनगर, जगदीश पंचाल को नर्मदा, ब्रिजेश मेरजा को अमरेली, जीतु चौधरी को दाहोद, मनीषा वकील को महीसागर, मुकेश पटेल को भरूच, निमिषा सुथार को डांग, अरविंद रैयाणी को कच्छ, कुबेर डिंडोर को तापी, कीर्तिसिंह वाघेला को वलसाड, गजेन्द्रसिंह परमार को आणंद, राघव मकवाणा को पोरबंदर, विनोद मोरडिया को पंचमहल और देवा मालम को सुरेन्द्रनगर का प्रभारी बनाया गया है।

26 लाख के एमडी ड्रग्स के साथ दो राजस्थान के शख्स गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार बनासकांठा,पालनपुर पुलिस ने शहर के एरोमा सर्कल के निकट से दो शख्सों को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। रु 26 लाख कीमत के ड्रग्स के साथ पकड़े गए दोनों शख्स राजस्थान के मूल निवासी हैं। जानकारी के मुताबिक बनासकांठा जिले की पालनपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि दो शख्स एमडी ड्रग्स लेकर अहमदाबाद से राजस्थान से जा रही ट्रावेल्स कंपनी की लक्जरी बस में सफर कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने अहमदाबाद से राजस्थान जा रही बस को पालनपुर के एरोमा सर्कल के निकट रोका और उसमें सवार दो शख्सों को दबोच लिया। बस में यात्रा कर रहे इन दोनों शख्सों के पास से 260 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ है, जिसकी कीमत रु 26 लाख से अधिक बताई गई है। ड्रग्स कहां से लाए थे और किसी पहुंचाने जा रहे थे और कितने समय से ड्रग्स तस्करी कर रहे थे इस बारे में पुलिस ने पकड़े गए शख्सों से पूछताछ शुरूकी है।

फॉरेंसिक साइंस और कानून के समन्वय वाली पेशेवर शिक्षा से न्याय प्रक्रिया में आएगी तेजीः मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक समाचार मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि स्कूल ऑफ लॉ, फॉरेंसिक जस्टिस एंड पॉलिसी स्टडीज देश को टेक्नो लीगल एक्सपर्ट के रूप में तकनीक से लैस विशेषज्ञों का मानवबल उपलब्ध कराएगा। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अपराध के प्रकारों में बदलाव आया है। ऐसे में, तकनीक के समन्वय से मौजूदा चुनौतियों का सामना करते हुए फॉरेंसिक साइंस एंड जस्टिस की मदद से अदालतों में साक्ष्यों को पेश करने में आसानी रहेगी और इसके परिणामस्वरूप न्यायिक प्रक्रिया में भी तेजी आएगी। यह बात उन्होंने रविवार को गांधीनगर में नेशनल फॉरेंसिक साइंसेज यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू) में स्कूल ऑफ लॉ, फॉरेंसिक जस्टिस एंड पॉलिसी स्टडीज के शुभारंभ अवसर पर कही। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री किरण रिजिजू ने इस नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम.आर. शाह, गुजरात उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर.एम. छाया, राज्य के कानून मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी तथा राज्य उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायमूर्ति, न्यायविद, विद्यार्थी और आमंत्रित उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि इस स्कूल ऑफ लॉ, फॉरेंसिक जस्टिस एंड पॉलिसी स्टडीज द्वारा 'डेटा साइंस एंड लॉ' के समन्वय वाले पाठ्यक्रमों के जरिए पेशेवर शिक्षा मिलने के कारण न्यायिक प्रक्रिया में भी भविष्य में तेजी आएगी। यही नहीं, फॉरेंसिक साइंस की मदद से

साक्ष्यों को अदालत में प्रस्तुत करने में भी आसानी होगी तथा डिजिटल फॉरेंसिक एवं साइबर अपराधों को रोकने में एक सक्षम इकोसिस्टम स्थापित होगा। पटेल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया में जो कुछ भी श्रेष्ठ हो, वह गुजरात की धरती पर हो, उस विजन के साथ साल 2009 में गुजरात में फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी की शुरुआत की पहल की थी। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज केवल 12 साल की छोटी अवधि में इस यूनिवर्सिटी ने 70 से अधिक देशों में अपनी अनूठी पहचान स्थापित की है। दुनिया के अनेक देशों के पुलिस एवं फॉरेंसिक साइंस क्षेत्र के अधिकारी यहां प्रशिक्षण के लिए आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने इस बात का भी जिक्र किया कि गुजरात की इस यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का गौरवशाली दर्जा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों से मिला है। इस अवसर पर गुजरात के कानून एवं न्याय मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी ने कहा कि जब तकनीक के साथ अपराध भी बढ़ रहे हैं, तब ज्ञान और तकनीक के साथ समूचे सिस्टम को भी अपग्रेड करना जरूरी है। यह यूनिवर्सिटी विभिन्न पाठ्यक्रमों के जरिए पूरे सिस्टम को अपग्रेड कर रही है। इस यूनिवर्सिटी में 20 से अधिक प्रशिक्षण केंद्र चल रहे हैं जिसके माध्यम से देश को तकनीक युक्त मानव संसाधन की आपूर्ति की जा रही है। त्रिवेदी ने कहा कि इस स्कूल से पास होने वाले विद्यार्थी न्याय क्षेत्र में नेतृत्व कर सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे। हमारे पास पर्याप्त मानव संसाधन है साथ ही तकनीक भी है, जरूरत केवल मानव संसाधन को तकनीक से लैस कर एक सुंदर इकोसिस्टम तैयार करने की है जो यह यूनिवर्सिटी कर रही है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

प्रधानमंत्री का दौरा

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विदेश दौरा देश के लिहाज से सकारात्मक और स्वागतयोग्य रहा है। यह दौरा मूल रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के लिए था, जहां दुनिया के 100 से ज्यादा राष्ट्राध्यक्षों या राष्ट्र-प्रतिनिधियों ने अपना-अपना उद्बोधन पेश किया। अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी दुनिया में कई नेताओं ने परोक्ष, तो कई नेताओं ने प्रत्यक्ष उपस्थिति से महासभा को सार्थक सिद्ध किया। वहां भारतीय प्रधानमंत्री की प्रत्यक्ष उपस्थिति से भारत के पक्ष को निःसंदेह मजबूती मिली है। ऐसे अवसर बहुत कम आते हैं, जब दुनिया के राष्ट्र आपकी बात सुनते हैं। जम्मू-कश्मीर की सांविधानिक स्थिति में परिवर्तन, कोरोना महामारी के तांडव, भारत-चीन संघर्ष, अमेरिका की अफगानिस्तान से वापसी और तालिबान के शिकंजेकी पृष्ठभूमि में संयुक्त राष्ट्र की यह बैठक कमोबेश हर देश के लिए महत्व रखती थी। अब अमेरिका की स्थिति ऐसी नहीं है कि वह आक्रामक हो। वह ऑकस और क्वाड जैसे नए गठजोड़ों में भविष्य तलाशता दिख रहा है और महासभा के दौरान भी उसकी कोशिशें इस दिशा में तेज थीं। यह एक ऐसा मोर्चा है, जहां भारत की अपनी चिंताएं और सीमाएं हैं। हालांकि, यह कोई अच्छा संकेत नहीं है कि हम महासभा के समय छोटे गठजोड़ों का महत्व देख रहे थे। क्या दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र के प्रति पूरी तरह ईमानदार हैं? संयुक्त राष्ट्र में अगर हम दुनिया के अन्य देशों के प्रतिनिधियों के संबोधनों पर गौर करेंगे, तो पाएंगे कि दुनिया तालिबान और कट्टरपंथियों के उभार के चलते चिंतित है, दुनिया के बहुत से देशों को आर्थिक-सामाजिक रूप से मदद चाहिए, दुनिया के ज्यादातर देश परस्पर मिलजुल कर चलना चाहते हैं। ऐसे में, गौर करने की बात है कि इस बार दुनिया की महाशक्तियों को अलग-अलग ढंग से निशाना भी बनाया गया है, जो एक तरह से जरूरी भी था। भारतीय प्रधानमंत्री की अगर बात करें, तो विशेष रूप से चीन की ओर इशारा खास मायने रखता है। उन्होंने न केवल कोरोना की उत्पत्ति, बल्कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की रैंकिंग से खिलवाड़ का भी मामला उठाया है। पूरे साहस के साथ समुद्र पर अधिकार की कोशिश में लगे देशों को भी आईना दिखाया है। भारत पहले दिन से इस प्रयास में लगा है कि अफगानिस्तान में जिसके भी हाथों में सत्ता हो, वह समावेशी सरकार चलाए। अगर तालिबान अपने समाज, अपने लोगों के प्रति समावेशी नजरिया नहीं रखते, तो उन्हें मान्यता देने से पहले इंतजार करने में ही दुनिया की भलाई है। भारत के इस रुख को दुनिया के अधिकतर देशों ने समर्थन दिया है। रूस और चीन जैसी शक्तियों के साथ ही पाकिस्तान की कोशिशें भी नाकाम रही हैं। तालिबान पर महासभा से जो दबाव पड़ा है, उसकी रोशनी में हम सुधार की उम्मीद रख सकते हैं। जहां तक भारत की उपलब्धियों का सवाल है, तो प्रधानमंत्री का यह दौरा अमेरिका से किसी सौदे-समझौते के लिए नहीं था। फिर भी अमेरिकी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री की मुलाकात को हम सकारात्मक करार दे सकते हैं। बातचीत में भारत के लिए कोई अप्रिय बात नहीं हुई है। जहां तक कश्मीर का सवाल है, तो उसकी बात इक्का-दुक्का देशों ने की है, जिनको वहीं यथोचित जवाब दे दिया गया है।

मारक वेरिएंट के खिलाफनयी मुहिम

मुकुल व्यास

दुनिया में कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के बढ़ते हुए मामलों के बीच एक और नया वेरिएंट सामने आया है जो ज्यादा संक्रामक है और वैक्सीन को निष्प्रभावी कर सकता है। दक्षिण अफ्रीका के वैज्ञानिकों द्वारा खोजे गए इस वेरिएंट का नाम 'सी.1.2' रखा गया है। यह वेरिएंट दक्षिण अफ्रीका के अलावा इंग्लैंड, चीन, पुर्तगाल, मॉरीशस, स्विट्जरलैंड और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफकांगो में भी पाया गया है। इस वेरिएंट के बारे में सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसमें दूसरे वेरिएंट्स की तुलना में परिवर्तन (म्यूटेशन) की दर बहुत ज्यादा है। कोरोना वायरस से लड़ने के लिए इस समय इस्तेमाल की जा रही वैक्सीनें आमतौर पर असरदार सिद्ध हुई हैं। लेकिन अब वैक्सीन ले चुके लोगों के फिर से संक्रमित होने और वायरस के नये वेरिएंट सामने आने के बाद ज्यादा प्रभावशाली वैक्सीन का विकास जरूरी हो गया है। अमेरिका में नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय के रिसर्चरों ने चूहों पर किए गए प्रयोग में कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन पर आधारित मौजूदा वैक्सीनों को अधिक कारगर बनाने के लिए उसमें एक नया एंटीजन (रोगोत्पादक पदार्थ) मिलाया। इस एंटीजन को न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन कहा जाता है। रिसर्चरों का कहना है कि यह प्रोटीन स्पाइक प्रोटीन की तुलना में इम्यून सिस्टम को अधिक तेजी के साथ सक्रिय कर सकता है। नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी और इम्यूनोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर और नये अध्ययन के सह-लेखक पाब्लो पेनालोजा-मैकमास्टर ने कहा कि हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कोरोना वायरस के नये वेरिएंट के खिलाफअधिक प्रभावी वैक्सीन कौन सी हो सकती है। ऐसा लगता है कि वैक्सीन में न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन मिलाने से वह ज्यादा ताकतवर हो सकती है। नयी वैक्सीन चूहों में पुनर्संक्रमण के खिलाफसुरक्षा प्रदान करने में सफल रही। वैक्सीन की डोज पूरी होने के बाद होने वाले संक्रमण को 'ब्रेकथ्रू इंफेक्शन' भी कहा जाता है। इस तरह के इंफेक्शन के खिलाफमौजूदा स्पाइक प्रोटीन आधारित वैक्सीन और अतिरिक्त एंटीजन से युक्त वैक्सीन के प्रभाव का पता लगाने के लिए यह पहला अध्ययन है। ध्यान रहे कि कोरोना वायरस का बहुचर्चित स्पाइक प्रोटीन वायरस के बाहर होता है जबकि न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन वायरस के भीतर होता है। पेनालोजा-मैकमास्टर ने कहा कि न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन उन प्रोटीनों में से है, जिनकी अभिव्यक्ति तेजी से होती है। इसकी वजह से इसका डिटेक्शन शीघ्र होता है। शायद इसी कारण से यह चूहों में ब्रेकथ्रू इंफेक्शन को रोकने में कारगर सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि किसी कोशिका के सार्स-कोव-2 वायरस के संक्रमित होने के बाद हम चाहते हैं कि शरीर की टी-कोशिकाएं जल्द से जल्द इस संक्रमित कोशिका का पता लगाएं। पेनालोजा-मैकमास्टर का कहना है कि यदि टी-कोशिकाएं कोरोना वायरस के जीवन चक्र के दौरान शुरू में अभिव्यक्त होने वाले प्रोटीनों का पता लगा सकती हैं तो हम वायरस के अनियंत्रित होने से पहले ही संक्रमण को रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें अभी से ऐसी भावी वैक्सीन के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए जो न सिर्फपरिवर्तनशील स्पाइक को निशाना बनाए बल्कि न्यूक्लियोकैप्सिड जैसे वायरस के उन हिस्सों को भी निशाना बनाए, जिनमें ज्यादा परिवर्तन नहीं होता। अपने अध्ययन के निष्कर्षों पर पहुंचने से पहले वैज्ञानिकों ने चूहों को सार्स-कोव-2 के स्पाइक प्रोटीन से बनी वैक्सीन, सिर्फ न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन से बनी वैक्सीन और दोनों प्रोटीनों से बनी वैक्सीन लगाई। कई हफ्तों बाद शोधकर्ताओं ने इन चूहों की नाक का संपर्क कोरोना वायरस से किया। इसके पश्चात उन्होंने चूहों की श्वसन और स्नायु प्रणाली में वायरस के लोड का हिसाब लगाया। इस अध्ययन के आधार पर विज्ञानी यह तय करने में सफल रहे कि कौन-सी वैक्सीन ब्रेकथ्रू इंफेक्शन से बचाव करने में कितनी असरदार रही। विज्ञानी अब यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि दोबारा संक्रमित होने वाले लोगों के स्नायु तंत्र पर दीर्घकालीन प्रभाव क्या पड़ता है। नये वेरियंट्स से निपटने के लिए वैज्ञानिक दूसरे उपायों पर भी विचार कर रहे हैं। जर्मन रिसर्चरों ने ऐसी सूक्ष्म एंटीबॉडीज विकसित की है जो कोरोना वायरस और उसके नये खतरनाक वेरिएंट का कारगर ढंग से मुकाबला कर सकती हैं। ये सूक्ष्म एंटीबाडीज अथवा नैनोबॉडीज वायरस के साथ जुड़ कर उसे निष्प्रभावी करने में उन नैनोबॉडीज से 1000 गुणा ज्यादा प्रभावी हैं जो पहले विकसित की जा चुकी हैं। वैज्ञानिकों ने नयी नैनोबॉडीज को कुछ इस तरह से विकसित किया है कि वे लंबे समय तक टिकाऊ रहें और उच्च तापमान झेल सकें। इन दोनों गुणों की वजह से ये कोविड-19 के इलाज में कारगर हो सकती हैं। इन्हें कम लागत पर अधिक मात्रा में तैयार करके कोविड की औषधियों की विश्वव्यापी मांग को पूरा किया जा सकता है। इस समय क्लिनिकल ट्रायल के किए इन नैनोबॉडीज का उत्पादन किया जा रहा है। ध्यान रहे कि एंटीबॉडीज की मदद से हमारा इम्यून सिस्टम रोगाणुओं के हमले को रोकने की कोशिश करता है। ये एंटीबॉडीज वायरस के साथ जुड़ कर उसे निष्प्रभावी कर देती हैं, जिससे वह कोशिकाओं को संक्रमित नहीं कर सकता। एंटीबॉडीज का उत्पादन औद्योगिक पैमाने पर किया जा सकता है और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों के इलाज में इन एंटीबॉडीज का प्रयोग किया जाता है। ये एंटीबॉडीज दवाओं की तरह से काम करती हैं। ये बीमारी के लक्षणों को दूर करने और मरीज की रिकवरी के समय को कम करने में मदद करती हैं। हेपेटाइटिस बी और रेबीज के इलाज के लिए यह एक स्थापित उपचार विधि है। एंटीबॉडीज का प्रयोग कोविड के इलाज के लिए भी किया जाता है लेकिन औद्योगिक स्तर पर इन मॉलिक्यूल्स का उत्पादन एक जटिल प्रक्रिया है और पूरी दुनिया की मांग को पूरा करने की दृष्टि से यह बहुत महंगी भी है। नैनोबॉडीज से इस समस्या का समाधान हो सकता है। जर्मनी के गोटिंजन स्थित शोध संस्थानों में कार्यरत वैज्ञानिकों ने जो सूक्ष्म एंटीबॉडीज तैयार की हैं, उनमें वे सारे गुण मौजूद हैं जो कोविड के खिलाफकिसी असरदार दवा में मौजूद होने चाहिए। ये सूक्ष्म एंटीबॉडीज अत्यंत टिकाऊ होने के साथ-साथ कोरोना वायरस और उसके अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वेरियंट के खिलाफबहुत कारगर हैं। एक रिसर्चर मैथियास डोबलस्टीन ने कहा कि हमने जो सूक्ष्म एंटीबॉडीज विकसित की हैं, वे 95 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान बर्दाश्त कर सकती हैं और उच्च तापमान से उनके कार्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दूसरे शब्दों में ये शरीर में लंबे समय तक सक्रिय रह सकती हैं। नैनोबॉडीज के उत्पादन के लिए जर्मन रिसर्चरों ने दक्षिण अमेरिका में पाए जाने 'एल्पाका' ऊंट का प्रयोग किया। लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

'आज के ट्वीट

डिजिटल हेल्थ आईडी

मुझे प्रसन्नता है कि राजस्थान की तर्ज पर केन्द्र सरकार ने भी डिजिटल हेल्थ आईडी बनाने का कार्य शुरू किया है। चिरंजीवी योजना के तहत प्रदेश के नागरिकों का डिजिटल हेल्थ कार्ड बनाना प्रगतिरत है जिसमें प्रदेश के सभी नागरिकों का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड रखा जाएगा। - मु. अशोक गहलोत

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों की अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और सम्पन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है। उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का एक सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व सम्पन्न रह सकता है तथा समाज में भी वैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। नैतिकता इसीलिए आवश्यक है कि अपने हितों को साधते हुए उन्हें सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी आगे बढ़ने दिया जाय। एक व्यक्ति बेइमानी करता है और उसके देखा-देखी दूसरे व्यक्ति बेइमानी करने लगे तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अन्तर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपनाकर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी किया जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें और किसी को कोई हानि न हो, प्रत्युत लाभ ही मिलें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है और इससे सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े, तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा और उसकी वस्तुएं छीन लेगा और ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर व्यक्ति दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई है। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की एक कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अन्तरात्मा की साक्षी ले ली जाय। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धक-धक् करने लगता है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए।

आज का विचार

पंछी कभी अपने बच्चों के भविष्य के लिये घोंसले बनाकर नहीं देते, वे तो बस उन्हें "उड़ने" की कला सिखाते हैं..

इतिहास बोध राष्ट्रभाव की आत्मा है

- हृदयनारायण दीक्षित

भारत में इतिहास पर बहसें चलती हैं। यूरोपीय विद्वान भारत पर इतिहास की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। मैक्समूलर ने लिखा, 'हिन्दू दार्शनिकों की एक जाति थी। उनका संघर्ष विचारों का संघर्ष था। उनका अतीत सृष्टि की समस्या थी, उनका भविष्य अस्तित्व का प्रश्न था ज्ज यह कहना सही है कि विश्व के राजनैतिक इतिहास में भारत का कोई स्थान नहीं है। मैक्समूलर को वैदिक और पौराणिक सहित तमाम प्राचीन इतिहास में राज्य व्यवस्था नहीं दिखाई पड़ती। एलफिन्सटन को सिकंदर के हमले के पूर्व किसी भी घटना का निश्चित समय नहीं दिखाई पड़ता। उन्होंने 1839 में लिखा, 'भारतीय इतिहास में सिकंदर के आक्रमण के पूर्व किसी सार्वजनिक घटना की तिथि निश्चित नहीं की जा सकती है।' विटरनिट्ज यहां काव्य, नायकत्व और इतिहास का घालमेल देखते हैं। अलबेरूनी का आरोप ज्यादा सख्त है कि 'हिन्दू चीजों (घटनाओं) के ऐतिहासिक क्रम पर अधिक ध्यान नहीं देते। वे अपने सम्राटों के काल क्रमानुसार उत्तराधिकार के वर्णन में लापरवाह हैं।' गांधीजी को यह सब बुरा लगा था। राष्ट्रबोध की वास्तविक शर्त सच्चा इतिहास बोध है। भारत ने यथार्थवादी चिन्तन और दर्शन में समूचे विश्व को पीछे छोड़ा था। गणित, ज्योतिष, चिकित्सा आदि के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विश्वख्यात थीं। भारत ने इतिहास संकलन की अपनी विशेष परम्परा विकसित की थी। गांधीजी राजाओं के विवरण को सच्चा इतिहास नहीं मानते थे। उन्होंने हिन्द स्वराज में लिखा 'इतिहास जिस अंग्रेजी शब्द (हिस्ट्री) का तरजुमा है और जिस शब्द का अर्थ बादशाहों या राजाओं की तवारीख होता है .... हिस्ट्री में दुनिया के कोलाहल की ही कहानी मिलेगी। राजा लोग कैसे खेलते थे ? कैसे खून करते थे ? कैसे वैर करते थे, यह सब हिस्ट्री में मिलता है। इतिहास और वर्तमान का संबंध अविच्छिन्न है। इतिहास में मनुष्य के कर्म अनुभव होते हैं। भूल-चूक और जय-पराजय होती हैं। मनुष्य उनसे सीखता है। इतिहास मनुष्य जीवन की प्रयोगशाला है। समाज इसी प्रयोगशाला के निष्कर्षों के अनुसार सही, गलत, करणीय या अकरणीय और अनुकरणीय कार्यों-विचारों की सूची बनाता है। इसलिए इतिहास संकलन का काम वैज्ञानिक जैसा है। विज्ञान प्रकृति का विश्लेषण करता है, उसके निष्कर्ष अंतिम नहीं होते। विज्ञान द्वारा जाना गया कोई भी तथ्य सम्पूर्ण या अंतिम सत्य नहीं होता। इतिहास 'हो चुके' का तथ्यात्मक विवरण है। गांधीजी इतिहास निर्माता थे लेकिन स्वयं एक अच्छे इतिहास लेखक भी थे। विद्वानों ने गांधीजी की लिखी 'दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास' पुस्तक की प्रशंसा की है। इस किताब का पहला अध्याय है 'भूगोल'। भू क्षेत्र का रूप स्वरूप स्थायी नहीं रहता। इतिहास के सम्यक् अध्ययन में भूगोल की महत्ता है। वैदिक कवि भी अपने परिवेश, नदियों, पर्वतों का दिल खोल कर वर्णन करते थे। साथ में तत्कालीन अर्थव्यवस्था का काव्य बिम्ब भी खींचते थे। गांधी जी ने भी दक्षिण अफ्रीका के तत्कालीन अर्थतंत्र का वर्णन किया - दक्षिण अफ्रीका के गाय और बैल हिन्दुस्तान के गाय बैलों से से अधिक बड़े और मजबूत होते हैं।'3 दक्षिण अफ्रीका में अंगूर हैं, अन्य मीठे फल हैं आम भी हैं। लेकिन गांधी जी के अनुसार आमों की गुठलियां हिन्दुस्तानी ही ले गये थे। गांधी जी ने इतिहास लेखन में भाषा को भी प्रमुख स्थान दिया है। वह काले आदमियों में उनकी भाषाओं और जातियों की पहचान करते हैं।' अध्ययन के सभी विषयानुशासन मनुष्य के गढ़े हैं, मनुष्य के लिए हैं। वृहत्तर मानवता का लोकमंगल ही सभी विषयों के ज्ञान का लक्ष्य है। इतिहास में लोकमंगल साधने का कर्मयोग और व्यवहार शास्त्र पसरा हुआ है। मूलभूत प्रश्न यह है कि भारतीय उपमहाद्वीप की इतिहास देखने की प्राचीन दृष्टि क्या थी ? क्या मिथकीय ही थी ? क्या महाकाव्यों पुराणों और उसके भी पहले रचे गए वैदिक साहित्य के नायक काल्पनिक ही हैं ? भारतीय इतिहास दृष्टि में लोकमंगल का लक्ष्य है और समग्रता का दृष्टिकोण है। इतिहासबोध राष्ट्रभाव की आत्मा है। स्वाधीनता संग्राम के सभी शिखर पुरुष वास्तविक इतिहासबोध से लैस थे। गांधीजी का इतिहास बोध अप्रतिम था। 'द इण्डियन स्ट्रगल' (1920-42) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की लिखी प्रीतिकर ऐतिहासिक किताब है। पुस्तक का 1920-35 तक का हिस्सा लारेन्स ऐण्ड विशर्ट लंदन ने जनवरी 1935 में छापा था। भारत में इस पर प्रतिबंध लगा। 'हाउस आफ कामंस' में भारत मंत्री सेमुअल होर ने सफाई दी 'इसकी सामग्री आतंकवाद और सीधी कार्रवाई को प्रोत्साहन देने वाली है। पुस्तक का शेष भाग (1935 से 1942 तक) बाद में लिखा गया था। भारत सरकार के सूचना विभाग द्वारा प्रकाशित नेताजी सम्पूर्ण वाड्.मय के खण्ड 2 में यह पुस्तक संकलित है। नेताजी के मस्तिष्क में भारत क्या था ? लिखते हैं, 'भौगोलिक दृष्टि से देखें तो लगता है कि भारत शेष संसार से अलग अपने आप में पूर्ण एक स्वायत्त इकाई है उत्तर में विशाल हिमालय और दोनों ओर महासागरों से घिरा भारत एक स्पष्ट भौगोलिक इकाई होने की बेजोड़ मिसाल है। रक्त या जातीय भिन्नता तो भारत में कभी कोई समस्या रही ही नहीं, क्योंकि अपने समूचे इतिहास में वह न जाने कितनी जातियों को आत्मसात करने और उन सब पर अपनी समान संस्कृति और परम्परा की छाप डालने में समर्थ रहा है।' यहां 'समान संस्कृति' का अर्थ पूरे देश की एक संस्कृति है। भारत में विविधता है, आपसी झगड़े भी हैं, बावजूद इसके भारत एक सांस्कृतिक सूत्र में बंधा हुआ है। सो क्यों ? नेताजी ने लिखा है, 'सबको जोड़ने और मिलाने का सर्वाधिक महत्वपूर्ण साधन रहा है हिन्दू धर्म। उत्तर, दक्षिण, पूरब और पश्चिम- आप कहीं भी जाएं, आपको सर्वत्र समान धार्मिक विचार, समान संस्कृति और समान परम्पराएं मिलेंगी। सभी हिन्दू भारत को अपनी पुण्य भूमि मानते हैं। हिन्दुओं की पवित्र नदियां और पवित्र नगरियां देशभर में फैली है।' (वही) भारतवासी नदियों को प्रणाम करते हैं। वे इतिहास भूगोल के प्रति श्रद्धा रखते हैं। नेताजी द्वारा प्रयुक्त 'समान धार्मिक विचार, समान संस्कृति और समान परम्पराएं' शब्द ध्यान देने योग्य है। धर्म यहां जीवन की आचार संहिता है। यह एक समान संस्कृति का प्रेरक है। (लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं।)

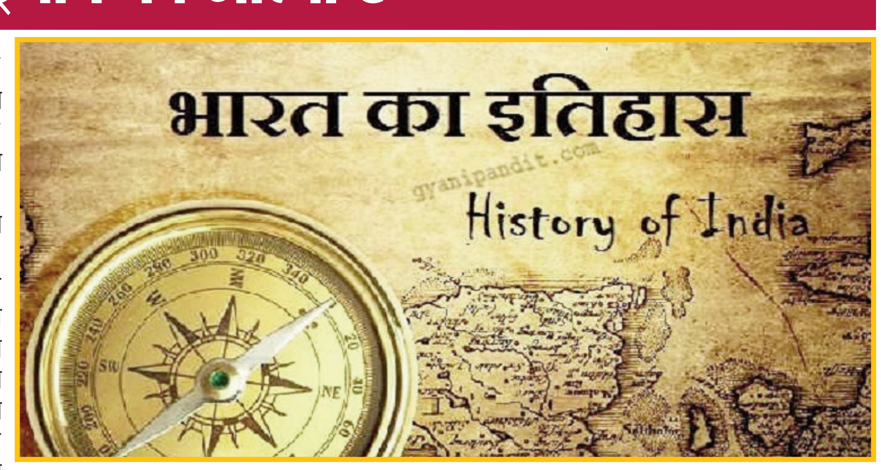

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

सेंसेक्स, निफ्टी नए रिकॉर्ड स्तर पर

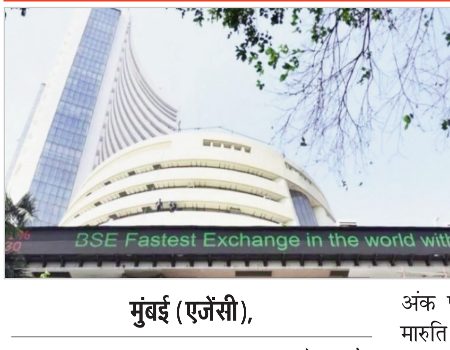

मुंबई (एजेंसी),

रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयरों में लाभ से सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान 60,412.32 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर तक गया। अंत में यह 29.41 अंक या 0.05 प्रतिशत के लाभ से अपने नए रिकॉर्ड स्तर 60,077.88 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 1.90 अंक या 0.01 प्रतिशत के लाभ से अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर 17,855.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति का शेयर सबसे अधिक छह प्रतिशत चढ़ गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट आई। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच घरेलू बाजारों में सीमित दायरे में कारोबार हुआ। आईटी तथा फार्मा कंपनियों में मुनाफावसूली से वाहन कंपनियों में शेयरों में तेज बढ़त का लाभ सिमट गया।'' उन्होंने कहा कि अक्टूबर से मांग में सुधार की उम्मीद से वाहन कंपनियों के शेयरों में जोरदार लाभ रहा। अन्य एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे। वहीं चीन के शंघाई कंपोजिट और जापान के निक्की में गिरावट आई। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार लाभ में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 1.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.25 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे गिरकर 73.83 रुपये पर बंद

मुंबई, विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के अपने प्रमुख प्रतिद्वन्द्वी मुद्राओं के मुकाबले मजबूत होने तथा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई। इससे अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 15 पैसे की गिरावट के साथ 73.83 (अनंतिम) रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। इसके अलावा, घरेलू शेयर बाजार में काफी उतार चढ़ाव तथा वैश्विक वित्तीय बाजारों से मिले जुले संकेतों की वजह से रुपया और अधिक दवाब में आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 73.70 रुपये प्रति डालर पर कमजोर खुली। कारोबार के अंतिम दौर में यह 73.84 के न्यूनतम स्तर को छू गया। थोड़े समय के लिए रुपये में फिर तेजी लौटी और यह 73.60 के उच्च स्तर को छू गया। अंत में रुपया पिछले दिन के बंद भाव के मुकाबले 15 पैसे की गिरावट दर्शाता 73.83 पर बंद हुआ। इससे पहले शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चार पैसे की गिरावट दर्शाता 73.68 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत बढ़कर 93.42 हो गया।

सरकार मौजूदा विदेश व्यापार नीति को मार्च 2022 तक जारी रखेगी: गोयल

नयी दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि मौजूदा विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) अगले साल 31 मार्च तक चलती रहेगी। सरकार ने इससे पहले कोविड-19 संकट के कारण एफटीपी 2015-20 को इस साल 30 सितंबर तक बढ़ा दिया था। विदेश व्यापार नीति आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर तैयार करने के लिए निर्यात बढ़ाने को लेकर दिशानिर्देश उपलब्ध कराती है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम इसे आज शाम या कल अधिसूचित कर रहे हैं। हमने 31 मार्च (2022) तक नीति का विस्तार करने का फैसला किया है ... और (नए) वित्त वर्ष में हम नई नीति के साथ शुरुआत कर सकते हैं।'' गोयल ने उम्मीद जताई कि उस समय तक कोविड-19 की समस्या का समाधान हो जाएगा। सरकार ने इससे पहले 31 मार्च 2020 को कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप और लॉकडाउन के बीच विदेश व्यापार नीति 2015-20 को 31 मार्च 2021 तक बढ़ा दिया था। इसके बाद अब इसका कार्यकाल एक साल और मार्च 2022 तक के लिये बढ़ा दिया गया है। गोयल ने कहा कि अप्रैल- 21 सितंबर, 2021 की अवधि में देश का निर्यात 185 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा है।

बोइंग के लिए कलपुजरें की आपूर्ति के साथ सुविधा का भी विस्तार करेगा एयरोस्पेस

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने कहा है कि एयरोस्पेस घटक निर्माता, सेलम स्थित एयरोस्पेस इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड बोइंग इंडिया के लिए घटकों की आपूर्ति करेगा। जारी एक बयान में सरकार ने कहा, बोइंग इंडिया के वरिष्ठ अधिकारी अश्विनी भार्गव ने सचिवालय में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की उपस्थिति में एयरोस्पेस इंजीनियर्स के प्रबंध निदेशक आर. सुंदरम को कलपुजरें की आपूर्ति के आदेश सौंपे। सरकार ने यह भी कहा कि एयरोस्पेस इंजीनियर्स 150 करोड़ रुपये के परिव्यय पर होसुर में एक सिविल एयरोस्पेस कंपोनेंट प्रोडक्शन यूनिट स्थापित करेंगे, जबकि सलेम में मौजूदा सुविधा का भी विस्तार किया जाएगा।

गूगल ने मनाया एनिमेटेड डूडल के साथ अपना 23वां जन्मदिन

नई दिल्ली। गूगल ने सोमवार को अपना 23वां जन्मदिन मनाते हुए अपने होमपेज पर एक एनिमेटेड केक डूडल बनाया। डूडल में एक केक है जिसके ऊपर 23 लिखा हुआ है। साथ ही, गूगल में एल के स्थान पर जन्मदिन की मोमबत्ती भी लगाई है। गूगल ने डूडल के साथ एक बायो में लिखा,हर दिन,दुनिया भर में 150 से अधिक भाषाओं में गूगल पर अरबों खोजे और सर्च होता हैं । गूगल के शुरूआती दिनों से बहुत कुछ बदल गया है,खिलौनों के ब्लॉक से बने कैबिनेट में रखे गए अपने पहले सर्वर से अब इसका सर्वर तक विश्व स्तर पर 20 से अधिक डेटा केंद्रों में रखे गए, दुनिया की जानकारी को सभी के लिए सुलभ बनाने का इसका मिशन रहा है। गूगल की खोज 1998 में लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने की थी। खोज इंजन का जन्म इसके संस्थापकों द्वारा एक शोध परियोजना के रूप में हुआ था, जो कैलिफोर्निया के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में शोध कर रहे थे। गूगल डॉट कोम का डोमेन 15 सितंबर 1995 को पंजीकृत किया गया था। 4 सितंबर 1998 को पेज और ब्रिन ने गूगल को एक कंपनी के रूप में पंजीकृत किया। वर्ष 1996 में, इसे गूगल कहने से पहले पेज और ब्रिन दोनों ने अपने सर्च इंजन का नाम बैकरब रखा। सर्च इंजन को गूगल नाम गणितीय शब्द गूगोल से मिला है, जो एक के बाद 100 शून्य को संदर्भित करता है। वर्तमान सीईओ सुंदर पिचाई ने 24 अक्टूबर 2015 को गूगल का नेतृत्व संभाला। इन वर्षों में गूगल ने अपनी सेवाओं का विस्तार किया है।

जी एंटरटेनमेंट ने बोर्ड में फेरबदल की मांग पर कहा, कानून के अनुसार जरूरी कार्रवाई की जाएगी

नयी दिल्ली, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लि. (जील) ने अपने दो संस्थागत निवेशकों की प्रबंध निदेशक पुनीत गोयनका को हटाने की मांग के बीच सोमवार को कहा कि वह 'मामले में लागू कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई' करेगी। दो निवेश कंपनियों - इनवेस्को डेवलपिंग मार्केट्स फंड (पूर्व में इनवेस्को ओपेनहेइमर डेवलपिंग मार्केट्स फंड) और ओएफआई ग्लोबल चाइना फंड एलएलसी ने इस महीने की शुरुआत में गोयनका और दो स्वतंत्र निदेशकों - मनीष चोखानी और अशोक कुरियन को हटाने के लिए एक असाधारण आम बैठक बुलाने की मांग की थी। ये दो कंपनियां जीईईएल में 17.88 प्रतिशत हिस्सेदारी रखती हैं। चोखानी और कुरियन ने इसके बाद बोर्ड से इस्तीफा दे दिया। संस्थागत निवेशकों की मांग पर टिप्पणी के लिए संपर्क करने पर जील के एक प्रवक्ता ने कहा कि बोर्ड के संज्ञान में मामले की पूरी जानकारी है। प्रवक्ता ने अधिक जानकारी दिए बिना कहा, 'कंपनी लागू कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई करेगी।' निवेश कंपनियों ने जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजिज लिमिटेड के बोर्ड में अपने स्वयं के छह नामांकित व्यक्तियों की नियुक्ति की भी मांग की थी। इन लोगों में सुरेंद्र सिंह सिरोही, नैना कृष्ण मूर्ति, रोहन धमीजा, अरुणा शर्मा, श्रीनिवास राव अडेपल्ली और गौरव मेहता शामिल हैं। पिछले हफ्ते, जील ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया (एसपीएनआई) के साथ एक विलय योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत विलय की गयी इकाई में सोनी की 52.93 प्रतिशत और जील की शेष 47.07 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। खबरों के मुताबिक इनवेस्को ने सोनी के साथ विलय की योजना का विरोध करते हुए जील को एक और पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि घटनाक्रम से कंपनी के गलत तरीके से महत्वपूर्ण और गंभीर फैसले लेने का पता चलता है।

बेहतर डिस्प्ले रिजॉल्यूशन के साथ इस साल के अंत तक आएगा मैकबुक प्रो

सेन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

मैकओएस मोंटेरे के सातवें बीटा ने आगामी एम1एक्स 14-इंच और 16-इंच ऐप्पल मैकबुक प्रो 2021 मॉडल के डिस्प्ले रिजॉल्यूशन का खुलासा किया है। 9टी05मैक के अनुसार, दो नए रिजॉल्यूशन 3024 एक्स 1964 पिक्सेल और 3456 एक्स 2234 पिक्सेल हैं। अभी, इन प्रस्तावों के आधार पर बिल्ट-इन रेटिना डिस्प्ले वाला कोई मैक नहीं है। वर्तमान 16-इंच मैकबुक प्रो का मूल डिस्प्ले रिजॉल्यूशन 3072 एक्स 1920 है, जबकि वर्तमान 13-इंच मैकबुक प्रो का मूल रिजॉल्यूशन 2560 एक्स 1600 है। नए रिजॉल्यूशन के डिस्प्ले को उसके मूल 2एक्स रेटिना रिजॉल्यूशन पर चलने देना चाहिए। ऐप्पल मैकबुक प्रो मॉडल पर पिक्सेल डेन्सिटी प्रति इंच 227 पीपीआई से बढ़ाकर 257 पीपीआई किया जा सकता है। ऐप्पल के मिनी-एलईडी आपूर्तिकर्ताओं ने दावा किया है कि चिप की कमी के कारण देरी की पिछली रिपोर्टों के बाद, आगामी मिनी-एलईडी मैकबुक प्रो अक्टूबर या नवंबर में समय पर लॉन्च किया जाएगा। उद्योग के सूत्रों के अनुसार, मैकबुक प्रो मॉडल से संबंधित ऐप्पल असेंबली पार्टनर्स को एलईडी और संबंधित घटकों के लिए शिपमेंट अपेक्षित समय पर है। अपने आगामी मैकबुक लाइनअप में ऐप्पल द्वारा मिनी-एलईडी पैनल का उपयोग आपूर्तिकर्ता निवेश को उत्प्रेरित करेगा और पूरे उद्योग को डिस्प्ले तकनीक को अपनाने की ओर धकेल देगा। इस वर्ष के कारण पुनः डिजाइन किए गए 14 और 16-इंच मैकबुक प्रो मॉडल में अगली पीढ़ी के ऐप्पल सिलिकॉन चिप्स, टच बार को हटाने, मैगसेफ चुंबकीय पावर केबल की वापसी और एचडीएमआई पोर्ट और एसडी के साथ एक समग्र नया डिजाइन होने की उम्मीद है।

भारत में बनेगी सेमीकंडक्टर चिप: ताइवान के साथ हो सकती है 7.5 अरब डॉलर की मेगा डील

(एजेंसी)

दुनिया भर में सेमीकंडक्टर चिप की कमी की वजह से इस समय कई तरह के संकट देखने को मिल रहे हैं। जिसका असर कार, मोबाइल फोन और दूसरे टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट के उत्पादन पर पड़ा है। चिप की कमी को दूर करने के लिए भारत और ताइवान के बीच एक समझौते पर बातचीत चल रही है, जिसके तहत भारत में ही चिप का प्रोडक्शन किया जाएगा। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत और ताइवान के अधिकारियों ने हाल के हफ्तों में एक सौदे पर चर्चा के लिए मुलाकात की है, जिसके तहत 7.5 अरब डॉलर की लागत से भारत में चिप प्लांट स्थापित किया जाएगा। जिसमें 5G उपकरणों से लेकर इलेक्ट्रिक कार तक की सप्लाई होगी।

चिप बाजार में ताइवान की बड़ी हिस्सेदारी

सेमीकंडक्टर चिप की वैश्विक कमी के कारण कई देश और मल्टीनेशनल कंपनियां चिंतित हैं, क्योंकि इसने उत्पादन और बिक्री को काफी हद तक प्रभावित किया है और हाल में इसका कोई समाधान नजर नहीं आ रहा है। सेमीकंडक्टर्स या चिप बाजार में ताइवान की बड़ी हिस्सेदारी है। सिलिकॉन से बने इन चिप का इस्तेमाल कंप्यूटर, लैपटॉप, टीवी, स्मार्टफोन, कार, फ्रिज, घर में मौजूद कई उपकरणों में होता है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन (TSMC) दुनिया का सबसे बड़ा चिप निर्माता है। इसके ग्राहकों में Qualcomm, Nivdia और Apple जैसी कंपनियां शामिल हैं। चिप निर्माण में इसकी हिस्सेदारी 56 फीसदी है। कोविड महामारी के दौरान इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की बिक्री में बढ़ोतरी के कारण सेमीकंडक्टर की मांग काफी बढ़ गई लेकिन सिर्फ कोविड-19 ही एक इसकी कमी की वजह नहीं है।

अमेरिका और चीन के बीच तनाव भी फैक्टर

अमेरिका और चीन के बीच तनाव भी इसमें बहुत बड़ा फैक्टर है। चूंकि कई अमेरिकी कंपनियां चीनी कंपनियों के साथ बिजनेस करती हैं। उदाहरण के लिए अमेरिकी चिप निर्माताओं को सप्लाई करने वाली कंपनी Huawei को अमेरिकी सरकार ने ब्लैक लिस्ट कर दिया है। इसलिए अब मांग को पूरा करने में लंबा समय लग सकता है। मई में गार्टनर द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, सभी डिवाइसों में इस्तेमाल होने वाले चिप की किल्लत 2022 की दूसरी तिमाही तक रह सकती है। अगस्त में सेमीकंडक्टर के आर्डर और डिलिवरी के बीच का गैप जुलाई में 6 हफ्ते के मुकाबले बढ़कर 21 हफ्ता हो गया था।

ऑटोमोबाइल थोक बिक्री में 11% की गिरावट

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (SIAM) ने इस महीने कहा था कि ऑटोमोबाईल उद्योग में सेमीकंडक्टर की कमी से उत्पादन गतिविधियां प्रभावित हुई है। इसकी वजह से पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अगस्त में ऑटोमोबाइल थोक बिक्री में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेमीकंडक्टर की कमी के कारण सितंबर में मारूति सुजुरी के उत्पादन में 60 फीसदी की कटौती देखने को मिल सकती है। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा है कि सेमीकंडक्टर की कमी के कारण वह सितंबर में 20-25 फीसदी उत्पादन घटाएगा।

इक्रा ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 9प्रतिशत किया

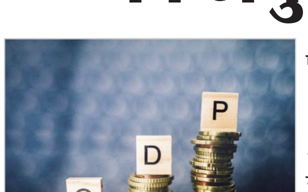

मुंबई (एजेंसी):

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को भारत के लिए अपने 2021-22 के वास्तविक जीडीपी वृद्धि के अनुमान में बदलाव करते हुए उसे पहले के 8.5 प्रतिशत से बढ़ाकर नौ प्रतिशत कर दिया। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 टीकाकरण में तेजी, खरीफ (गर्मी की) फसल के स्वस्थ अग्रिम अनुमान और सरकारी खर्च में तेजी ऐसे कारक हैं जिनकी वजह से यह बदलाव किया गया। गौरतलब है कि 2020-21 में 7.3 प्रतिशत के संकुचन के बाद, 2021-22 में बेहतर वृद्धि के आंकड़े की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, वित्त वर्ष की शुरुआत में कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर ने विश्लेषकों को अधिक चौकस कर दिया। महामारी की दूसरी लहर से देश के ग्रामीण इलाके भी प्रभावित हुए। भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था 9.5 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इक्रा ने सोमवार को कहा कि उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में बेहतर संभावनाएं होंगी। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, 'कोविड-19 टीकों के व्यापक कवरेज से विश्वास बढ़ने की संभावना है, जो संपर्क-गहन सेवाओं की मांग को फिर से सक्रिय करेगा। इससे महामारी से सबसे अधिक प्रभावित अर्थव्यवस्था के हिस्से के पुनरुद्धार में मदद मिलेगी।' उन्होंने कहा कि मजबूत खरीफ फसल से कृषि क्षेत्र से खपत की मांग को बनाए रखने की संभावना है, जबकि पहले के नकद प्रबंधन दिशानिर्देशों को वापस लेने के बाद केंद्र सरकार के खर्च में अपेक्षित तेजी समग्र मांग के इस क्षेत्र में नयी ऊर्जा डाल देगी। अर्थशास्त्री ने कहा कि नौ प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के नये अनुमान पर मुख्य रूप से संभावित तीसरी लहर और मौजूदा टीके के कोरोना विषाणु के नए उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) के खिलाफ अप्रभावी होने पर असर पड़ सकता है।

ट्विटर स्पेस के लिए जोड़ने वाला है नया फीचर, होस्ट ऐड कर सकेंगे टॉपिक्स

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट ट्विटर होस्ट के लिए स्पेस के विषय को जोड़ रहा है ताकि उनके स्पेस को अधिकतम तीन प्रासंगिक विषयों के साथ टैग किया जा सके। वर्तमान में चुनने के लिए केवल 10 विषय हैं। शुरूआती 10 विषय व्यवसाय, वित्त, संगीत, खेल, प्रौद्योगिकी, गेमिंग, विश्व समाचार, मनोरंजन, कला-संस्कृति, गृह-परिवार और करियर हैं। कंपनी ने एक ट्वीट में कहा, स्पेस में नयाः विषय, स्पेस बनाते या शेड्यूल करते समय, एंड्रॉइड पर आप में से कुछ हमारे शीर्ष 10 विषयों की सूची से इसे टैग करने के लिए 3 विषयों तक चुन सकते हैं। यह अभी के लिए केवल 10 विषय हैं और हम विस्तार करेंगे। ट्विटर ने स्पेस के लिए एक नया अपडेट भी शुरू किया ताकि होस्ट को अपने सोशल ऑडियो रूम के लिए दो सह-मेजबान नामित करने की अनुमति मिल सके। अपडेट ऑडियो स्पेस के होस्ट के लिए बातचीत को प्रबंधित और मॉडरेट करने में मदद करना आसान बना देगा। एक बार आमंत्रित किए जाने के बाद, सह-मेजबानों के पास मुख्य मेजबान के रूप में लगभग सभी समान मॉडरेशन और प्रबंधन विशेषाधिकार होते हैं। वे बोल सकते हैं, कमरे के अन्य सदस्यों को बोलने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं, ट्वीट पिन कर सकते हैं, लोगों को कमरे से बूट कर सकते हैं और बहुत कुछ कर सकते हैं। एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्विटर उपयोगकर्ता अब सीधे स्पेस से एक नया ट्वीट लिख सकेंगे, जो ऑडियो चैट और किसी भी हैशटैग से लिंक होगा। जबकि पहले किसी स्पेस को सुनते समय नए ट्वीट्स लिखना संभव था, संगीतकार को सीधे स्पेस में रखने से प्रतिभागियों को बातचीत के बारे में अधिक आसानी से ट्वीट करने की अनुमति मिल जाएगी।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने भारत में सिडान यारिस कार का उत्पादन किया बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑटोमोबाइल निर्माता टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने सोमवार को घोषणा की है कि भारत में हाई-एंड सिडान यारिस कार का उत्पादन बंद करेगा। कंपनी के मुताबिक यह कदम उत्पाद रणनीति का हिस्सा है।

कंपनी ने एक स्टेटमैन में कहा, यह कदम टोयोटा की उत्पाद रणनीति का एक हिस्सा है, जो ग्राहकों की लगातार विकसित होने वाली जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्नत तकनीकों और उत्पाद की पेशकश के माध्यम से जारी है। हम ऐसे ग्राहकों को अन्य मौजूदा पेशकशों के साथ सेवा देना जारी रखना चाहते हैं और आने वाले नए साल 2022 में नए टोयोटा मॉडल लॉन्च करने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा, टोयोटा ने कहा कि वह देश भर में डीलर सर्विस आउटलेट के माध्यम से यारिस के सभी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना जारी रखेगी। ऑटोमोबाइल प्रमुख ने कहा, वह इस बंद मॉडल पर कम से कम अगले 10 वर्षों के लिए वास्तविक स्पेयर पार्ट्स प्रदान करेगा। पिछले दो दशकों में, हम भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्व स्तरीय उत्पादों को लाने के लिए अपनी विनिर्माण क्षमताओं का उपयोग कर रहे हैं। इस प्रयास के एक हिस्से के रूप में, हम ग्राहकों की बढ़ती पसंद को पूरा करने और एक हरित गतिशीलता को सक्षम करने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को ताजा करने के लिए क्लीनर प्रौद्योगिकियों में अपने नेतृत्व और विशाल विशेषज्ञता का लाभ उठाना जारी रखेंगे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में घर खरीदारों को तोहफा, प्रॉपर्टी की रीसेल पर ट्रांसफर चार्ज हुआ आधा

नई दिल्ली (एजेंसी):

अगर आप राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्लॉट या फ्लैट खरीदने की सोच रहे हैं तो आपके लिए गुड न्यूज है। दरअसल, नोएडा अथॉरिटी ने घर खरीदारों को तोहफा देते हुए शहर में प्रॉपर्टी की रीसेल पर लगाए जाने वाले ट्रांसफर चार्ज को घटाकर आधा कर दिया है। 24 सितंबर को एक बैठक के दौरान नोएडा अथॉरिटी ने प्रॉपर्टी की रीसेल पर लगाए गए चार्जेस को आधा करने का फैसला लिया। इसे एक ऐसा कदम माना जा रहा है, जिससे कोरोना के कारण देरी और मार्केट में मंदी से सुधार होने की उम्मीद है। बैठक के दौरान नोएडा अथॉरिटी ने ट्रांसफर ऑफ मेमोरेंडम (ञ्जरू) शुल्क के या प्लॉट या फ्लैट के ट्रांसफर शुल्क को 5 फीसदी से घटाकर 2.5 प्रतिशत कर दिया। नए आदेश में कहा गया है कि नोएडा में रीसेल में फ्लैट या प्लॉट खरीदने पर रजिस्ट्री के साथ उसे अथॉरिटी से ट्रांसफर करवाने पर 5 फीसदी ट्रांसफर चार्ज लगता था लेकिन अब इसे घटाकर ढाई फीसदी कर दिया गया है। वहीं, नोएडा अथॉरिटी से आवंटित ईडब्ल्यूएस के लिए ट्रांसफर चार्ज सिर्फ एक फीसदी होगा। अथॉरिटी ने एक बयान में कहा कि नए शुल्क 2011 के बाद आवंटित संपत्तियों पर लागू होंगे। आपको बता दें कि नोएडा अथॉरिटी प्लॉट या फ्लैट की रीसेल पर रजिस्ट्रेशन के समय एक ट्रांसफर चार्ज लेता है। 24 सितंबर को नोएडा अथॉरिटी, ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी, यमुना अथॉरिटी और यूपी के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार के साथ बैठक में प्रॉपर्टी ट्रांसफर चार्ज को आधा करने का फैसला लिया गया। शहर के निवासी, जिसमें कमर्शियल और हाउसिंग प्रॉपर्टीज हैं, नोएडा अथॉरिटी के इस निर्णय से उत्साहित हैं। नोएडा फेडरेशन ऑफ अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सिंह ने मनीकंट्रोल को बताया कि यूपी सरकार की यह स्वागत योग्य पहल है। इस फैसले से सैकड़ों घर खरीदारों में खुशी है। उनके मुताबिक, अगला कदम 50,000 से अधिक लंबित रजिस्ट्रियों के पूरे बैकलॉग को क्लियर करना होना चाहिए ताकि कम किए गए ट्रांसफर शुल्क का लाभ उन घर खरीदारों को भी दिया जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड के क्रिकेटर मोइन अली ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के ऑलरउंडर मोइन अली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।

मोइन हालांकि, देश के लिए सीमित ओवरों के मैच में खेलना जारी रखेंगे। 34 वर्षीय मोइन ने 2014 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट डेब्यू किया था। उनका इस प्रारूप में सर्वाधिक स्कोर नाबाद 155 रन है।

मोइन ने कहा, मैं 34 वर्ष का हो गया हूं और जितना हो सके खेलना और अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं। टेस्ट क्रिकेट शानदार है। आपको यहां ज्यादा रिवॉर्ड मिलता है और आपको खुद लगेगा कि मुझे यह मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं इसे मिस करूंगा। विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलना मिस करूंगा। मैंने टेस्ट क्रिकेट का आनंद लिया है लेकिन मुझे लगता है कि मैं काफी कुछ कर चुका हूं और इससे खुश हूं।

मोइन ने अपने सभी कोच, कप्तान और उनके परिवार का उनके टेस्ट करियर के दौरान साथ देने के लिए धन्यवाद दिया। मोइन ने कहा, मैं पीटर मूरेस और क्रिस सिल्वरवुड को धन्यवाद देता हूं जो मेरे कोच हैं। एलिएस्टर कूक और जोए रूट कप्तान रहे जिनके नेतृत्व में मैंने खेल का आनंद लिया और मुझे लगता है कि मैं जिस तरह से खेला उससे वे खुश होंगे।

उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता पहले हैं जिनके समर्थन के बिना कोई रास्ता नहीं था। सभी मैच मैंने उनके लिए खेले हैं और मुझे पता है कि उन्हें मुझ पर गर्व है। यह मेरे लिए शानदार सफर रहा और सब कुछ मैंने अपने परिवार के लिए किया। मोइन ने इंग्लैंड के लिए 64 टेस्ट मैचों में 2914 रन बनाए हैं और 195 विकेट लिए हैं। उन्होंने टेस्ट में पांच शतक जड़े हैं।

पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड का दौरा रद्द होने पर भारत को कोसना बंद करे पाकिस्तानः अधिकारी

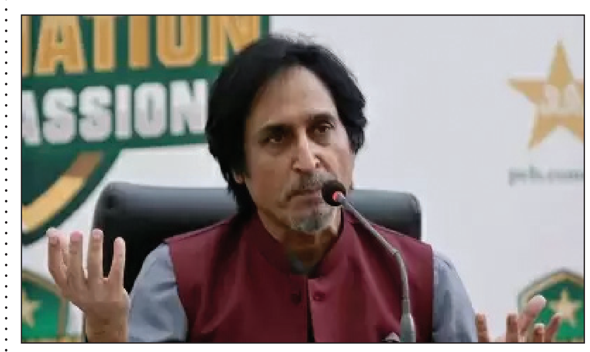

नई दिल्ली (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने अपने पाकिस्तान दौरे को रद्द कर दिया जिसके चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका लगा था।

न्यूजीलैंड ने सुरक्षा का हवाला देते हुए दौरा रद्द किया जबकि इंग्लैंड की टीम ने खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक तौर पर स्थिरता को बनाए रहने को लेकर दौरा रद्द करने का फैसला किया था। यह दौरा रद्द हो जाने के चलते पाकिस्तान को आर्थिक और नैतिक रुप से प्रभाव पड़ा है जिसके बाद पीसीबी के नए अध्यक्ष रमीज राजा ने दोनो देशों को खूब खरी-खोटी सुनाई है।

इन सब घटनाओं के बीच पाकिस्तान के कुछ मंत्री और पूर्व खिलाड़ियों ने दौरा रद्द होने के पीछे भारत का हाथ बताया है। वे इसमें भरतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि भारत को किसी भी बड़े या छोटे मुद्दे में शामिल करने की उनकी पुरानी आदत है वह भी बिना किसी सबूत के। उन्होंने कहा, हम रमीज राजा को शुभकामनाएं देते हैं, पाकिस्तान उनके कार्यकाल में नई उचाइयों को छुए। हम एक बात साफ कर देना चाहते हैं कि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड का दौरा रद्द होने के पीछे बीसीसीआई का कोई हाथ नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे पास इन सब चीजों के लिए कोई समय नहीं है। मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान के कुछ पूर्व खिलाड़ी आईपीएल को क्यों दोष दे रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि मैंने कहीं पढ़ा था कि रमीज ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने पैसे के लिए अपने डीएनए को बदल लिया है, रमीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों पर यह आरोप लगाया है कि वह अपनी आक्रमक रवैया को छोड़ कर आईपीएल के चलते साधारण तरीके से भारत के खिलाफ खेलते हैं। उन्होंने कहा, अब इसमें आईपीएल कहां से आ गया? अब यह किस तरह का आरोप है? हमें पता है उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है पर भारत को हर मुद्दे में शामिल करना सही बात नहीं है।

केकेआर की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए हम एक अच्छे मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं: होप्स

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स का कहना है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें एक अच्छे मुकाबले की उम्मीद है।

दिल्ली की टीम में कैगिसो रबादा और एनरिच नॉर्त्जे जैसे गेंदबाज हैं जो काफी आक्रामक दिख रहे हैं। होप्स ने कहा, रबादा और नॉर्त्जे के होने से जो 150 से ज्यादा की स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं हमारा गेंदबाजी आक्रमण और भी ज्यादा आक्रामक हो गया है। तेज गेंदबाज अच्छे से तैयार है और उन्होंने अच्छी रणनीति बनाई है। वे वातावरण को बखूबी समझते हैं। फॉर्म में चल रही दिल्ली का मुकाबला मंगलवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में केकेआर के साथ होगा। होप्स को उम्मीद है कि केकेआर के खिलाफ मुकाबला अच्छा होगा क्योंकि दोनों टीमें फिलहाल अच्छी फॉर्म में हैं। होप्स ने कहा, केकेआर के कोच ब्रेंडन मैकुलम चाहते हैं कि उनकी टीम दूसरे चरण में और भी आक्रामक बने और वे वैसा ही खेल रहे हैं। वे काफी आक्रामक स्टाइल से खेल रहे हैं और उनके पास मैच विनर्स लाइन अप है। हमने अपनी रणनीति शारजाह के वातावरण के अनुसार बनाई है। केकेआर और हमारी टीम अच्छी फॉर्म में है, इसलिए मुझे अच्छे मुकाबले का भरोसा है।

बल्लेबाज लगातार निराश कर रहे हैं : रोहित शर्मा

दुबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस संस्करण में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाखुश हैं और वह अपना धैर्य खोते दिख रहे हैं।

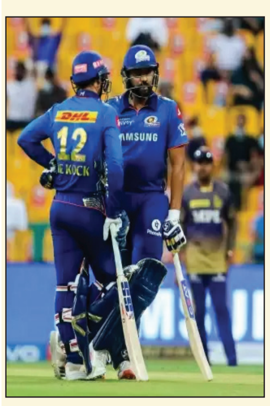

उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के हाथों रविवार को 54 रनों की हार के बाद अपनी निराशा व्यक्त की। रोहित ने कहा, मुझे लगा कि यह हमारी ओर से एक शानदार गेंदबाजी प्रयास था। एक समय ऐसा लग रहा था कि आरसीबी 180 से अधिक रन बनाएगें। बल्लेबाजों ने हमें निराश किया और यह कुछ ऐसा है जो लगातार हो रहा है। मैंने बल्लेबाजों के साथ बातचीत की है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम आगे बढ़ें। मैं खराब शॉट खेलकर आउट हो गया। मुझे लगा कि यह खेल बदलने वाला क्षण था। एक-दो विकेट गिरने के बाद उन्होंने हम पर दबाव बनाए रखा। मुंबई लगातार तीन मैच गंवाने के बाद 10 में से आठ अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गई है। उन्होंने कहा, हम जिस भी स्थिति में हैं, हमें उससे वापसी करने की जरूरत है। हमने अतीत में ऐसा किया है। इस सीजन में ऐसा नहीं हो रहा है। ईशान किशन एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। पिछले साल उनका आईपीएल शानदार रहा था। हम उनका समर्थन करना चाहते हैं। मुंबई का अगला मुकाबला 28 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पंजाब किंग्स से होगा।

आईपीएल 2021: केकेआर को हराकर प्लेआफ में जगह पक्की करना चाहेगी दिल्ली कैपिटल्स

शारजाह। (एजेंसी)।

शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में मंगलवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर प्लेआफ में जगह पक्की करना चाहेगी। दिल्ली के लिये अच्छी बात यह भी है कि केकेआर के आक्रामक हरफनमौला खिलाड़ी आंद्रे रसेल का चोट के कारण इस मैच में खेलना अनिश्चितहै। पहला आईपीएल खिताब जीतने की कोशिश में जुटी दिल्ली ने इस सत्र में आक्रामक खेल दिखाया है और उसकी नजरें सिर्फ प्लेआफ में जगह बनाने पर नहीं बल्कि पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन करने पर है। पिछले सत्र में फाइनल में उसे मुंबई इंडियंस ने हराया था। दिल्ली दस मैचों में आठ जीत के साथ 16 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि केकेआर छह हार और चार जीत के बाद चौथे स्थान पर है। दिल्ली ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को हराया जबकि केकेआर को चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण तीन ओवर फेंकने के बाद रसेल मैदान से बाहर चले गए जिनकी कमी केकेआर को खली। उनकी गैर मौजूदगी में प्रसिद्ध कृष्णा को 19वां ओवर फेंकने की जिम्मेदारी दी गई लेकिन वह रविंद्र जडेजा को रोक नहीं सके। इयोन मोर्गन और उनकी टीम को बखूबी पता है कि दिल्ली जैसी फॉर्म में चल रही टीम के खिलाफ वे कोई गलती नहीं कर सकते। प्लेआफ में जगह बनाने के लिये यह मैच उनके लिये काफी अहम होगा। उन्हें ऋषभ पंत की अगुवाई वाली दिल्ली जैसी मजबूत टीम के खिलाफ हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मोर्गन, दिनेश कार्तिक, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर और शुभमन गिल सभी को मिलकर रन बनाने होंगे। चेन्नई के खिलाफ 45 रन बनाने वाले राहुल त्रिपाठी उस फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी ओर दिल्ली की स्थिति मजबूत है जिसने रॉयल्स के खिलाफ उम्दा खेल दिखाया।

सीनियर खिलाड़ी ने बीसीसीआई से की थी विराट कोहली की शिकायत, हुआ बड़ा खुलासा !

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कुछ दिन पहले घोषणा कर दी थी कि वह टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारत की टी20 टीम की कप्तानी छोड़ देंगे. विराट ने अचानक से ऐसा फैसला लेकर सबको हैरत में डाल दिया था. ऐसी खबर आ रही है कि इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली के व्यवहार को लेकर भारत के सीनियर खिलाड़ी ने बीसीसीआई से उनकी शिकायत की थी.

क्रिकेट नेक्स्ट की खबर की मानें तो एक खिलाड़ी ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे के दौरान कप्तान के बारे में शिकायत की थी. विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ने का फैसला करते हुए इसके पीछे का कारण वर्कलोड बताया. लेकिन एक सूत्र ने बताया कि बीसीसीआई विराट कोहली को कप्तानी से हटाने की योजना बना रहा था, क्योंकि वह उनके कार्यकाल के दौरान एक भी आईसीसी ट्रॉफी भारत को न दिला पाने से नाखुश था.

सूत्रों के हवाले से मिली खबर की मानें तो भारतीय टीम में विराट कोहली के खिलाफ कुछ महीने पहले बगावत शुरू हो गई थी. कई सीनियर खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में उनके रवैए से खुश नहीं थे. खबर के मुताबिक, सीनियर खिलाड़ी के रूप में रविचंद्रन अश्विन का नाम आ रहा है. लेकिन अभी तक इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है.

ऐसी खबर है कि एक सीनियर खिलाड़ी ने कोहली के खिलाफ उन्हें सुरक्षित महसूस

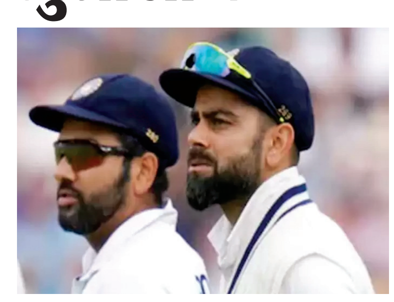

कराने के लिए बीसीसीआई सचिव से शिकायत की थी. इंग्लैंड दौरे पर अश्विन को मौका नहीं दिया गया था. जबकि चौथे टेस्ट से पहले मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अश्विन के खेलने के बारे में बात की थी. लेकिन कोहली ने फिर भी उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया था.

डेनर्बी ने दोस्ताना मुकाबले के लिए 23 सदस्यीय भारतीय महिला फुटबॉल टीम घोषित की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनर्बी ने यूएई और बहरीन में होने वाले दोस्ताना मुकाबलों के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की। टीम अभी जमशेदपुर में शिविर में है और वे 29 सितंबर को नई दिल्ली जाएगी जहां से वे संयुक्त अरब अमीरात की राष्ट्रीय टीम के साथ दो अक्टूबर और ट्यूनिशिया की राष्ट्रीय टीम के साथ चार अक्टूबर को दोस्ताना मुकाबले के लिए यूएई जाएगी। टीम इसके बाद बहरीन जाएगी जहां उसे बहरीन की राष्ट्रीय टीम के खिलाफ 10 अक्टूबर और चीनी ताइपे के खिलाफ 13 अक्टूबर को दोस्ताना मैच खेलने है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः अदिति चौहान, माएबाम लिंथोएनगाम्बी देवी और श्रेया हुडा

डिफेंडरः दालिमा चिबेर, स्वीटी देवी, ऋतु रानी, आशालता देवी, रंजना चानू, मिशेल कासतान्हा, मनीषा पना और अस्ताम ओराऑन

मिडफील्डरः संगीता बासफोर, इंदुमति काथिरेसान, संजू, मार्टिना थोकचोम

फॉरवर्ड : डांगमेई ग्रैस, अंजू तमांग, संधिया रंगनाथन, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा कल्याण, सुमति कुमारी, प्यारी जाजा और रेणु।

मुंबई सिटी ने गोलकीपर मोहम्मद नवाज के साथ करार किया

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने गोलकीपर मोहम्मद नवाज के साथ तीन साल तक का करार किया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। 21 वर्षीय गोलकीपर एफसी गोवा से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की गत विजेता टीम के साथ जुड़ेगा। नवाज 2018 में एफसी गोवा के साथ जुड़े थे जहां वह क्लब की रिजर्व टीम के

लिए आई लीग में खेले फिर उन्होंने 2018-19 में फर्स्ट टीम के लिए डेब्यू किया। नवाज ने 2018-19 के सफल अभियान और 2019-20 सुपर कप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। मणिपुर में जन्में नवाज ने 2016 ब्रिक्स अंडर-17 टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। नवाज ने एफसी गोवा के लिए 2020-21 के सीजन में 10 मुकाबले खेले थे। मोहम्मद नवाज ने कहा, मुंबई सिटी एफसी को मुझ पर विश्वास दिखाने और मुझे एक ऐसे क्लब में खेलने का मौका देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं जो खेल जीतना और ट्राफियां जीतना चाहता है। मुझे अपने कई दोस्तों से बात करने का मौका मिला। मैं अपने नए परिवार के साथ इस रोमांचक यात्रा की शुरूआत करने और सफर में महान चीजें हासिल करने के लिए उत्सुक हूं।

क्लब में रोनाल्डो की वापसी के बावजूद मैनचेस्टर युनाइटेड पर जीत की राह पर लौटने का दबाव

लंदन। अपनी टीम पर भारी निवेश और क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे सितारे की वापसी के बावजूद पिछले दौर में पराजय झेलने वाली मैनचेस्टर युनाइटेड पर मंगलवार से शुरू हो रहे चैम्पियंस लीग फुटबॉल के दूसरे चरण में बेहतर प्रदर्शन का भारी दबाव होगा। पिछले दो मैचों में मैनचेस्टर युनाइटेड को एक गोल से पराजय झेलनी पड़ी। क्लब में वापसी करने वाले रोनाल्डो ने हालांकि शनिवार को एस्टोन

विला के खिलाफ एक ही मैच खेला लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। अब ग्रुप एफ के मैच में उनका सामना विलारीयाल से है जिसने यूरोपा लीग के पिछले सत्र के फाइनल में उसे हराया था। दूसरी ओर रीयाल मैड्रिड का सामना शेरिफ से होगा। इस सप्ताह स्पेनिश लीग में मैड्रिड ने विलारीयाल से गोलरहित ड्रॉ खेला। पहले सात मैचों में आठ के मुकाबले 22 गोल करने वाली मैड्रिड पहली बार इस सत्र में किसी मैच में गोल नहीं कर सकी। वहीं शेरिफ ने ग्रुप डी के पिछले मैच में शखतार दोनेस्क को मात दी है। ग्रुप ए में पेरिस सेंट जर्मेन का सामना मैनचेस्टर सिटी से होगा। घुटने की मामूली चोट के कारण पिछले दो मैचों से बाहर रहे लियोनेल मेस्सी यह मैच खेल सकते हैं। मेस्सी ने चैम्पियंस लीग में आखिरी गोल बार्सीलोना के लिये पीएसजी के खिलाफ ही किया था। बोरूसिया डॉर्टमंड की टक्कर ग्रुप सी में स्पोर्टिंग लिस्बन से होगी। पिछले मैच में डॉर्टमंड को बोरूसिया मोंशेंग्लाबाख ने 1 . 0 से हराया था। खराब फॉर्म से जूझ रही बार्सीलोना का सामना ग्रुप ई में बेनफिका से होगा। स्पेनिश लीग के पिछले मैच में लेवांटे पर 3 . 0 से मिली जीत ने हालांकि उसके लिये टॉनिक का काम किया होगा। युवेंटस की दिक्कतें बढी हुई है जिसे बुधवार को चेलसी से खेलना है लेकिन उसके स्टार स्ट्राइकर पाउलो डायबाला चोट के कारण बाहर है। सैम्पडोरिया के खिलाफ स्पेनिश लीग के मैच में गोल करने के बाद वह चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए थे। युवेंटस ने यह मैच 3 . 2 से जीता।

भारत ही रोकता है ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ, महिला टीम से पहले पुरुष टीम 3 बार कर चुकी है कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मकाय में रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे महिला वनडे में भारत ने मेज़बान टीम को रोमांचक मुक़ाबले में दो विकेट से हराया और इस जीत के साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया के चले आ रहे लगातार 26 वनडे मैचों में जीत के वर्ल्ड रिकॉर्ड सिलसिले पर विराम लगा दिया।

एक समय आसान जीत की तरफ़ बढ़ रही भारतीय टीम ने इस मैच में भी मेज़बान टीम को कई मौक़े दे दिए थे, लेकिन आख़िरी लम्हों में दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और फिर विनिंग शॉट लगाने वाली झूलन गोस्वामी ने धैर्य के साथ टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। भारतीय महिला वनडे टीम के इतिहास का ये सबसे बड़ा रन-चेज़ है, साथ ही किसी भी टीम का ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ ये दूसरा सर्वश्रेष्ठ चेज़ है।

हालांकि सिर्फ महिला टीम ही नहीं पुरुष टीम भी ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ दो बार रोक चुकी है। अब तो यह लगने लग गया है कि जब जब ऑस्ट्रेलिया लगातार बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाएगी तो उस रथ को सिर्फ भारत ही रोक पाएगा और कोई दूसरी टीम नहीं।

महिला टीम से पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम दो बार यह कारनामा कर पायी है। यह काम भारतीय क्रिकेट टीम ने 2 बार टेस्ट क्रिकेट में और एक बार वनडे क्रिकेट में कर दिखाया था।

साल 2001, कोलकाता

कौन भूल सकता है साल 2001 का वह टेस्ट जब भारत को फोलोऑन मिला था। कोलकाता का यह टेस्ट राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की पारियों ने बदल कर रख दिया था। भारत ने न केवल सीरीज बराबर की बल्कि 171 रनों से हराकर ऑस्ट्रेलिया के लगातार चल रहे 17 टेस्ट मैच के विजय रथ को भी रोका। इस मैच में हरभजन सिंह ने हैट्रिक ली थी।

साल 2008 पर्थ

सात साल बाद यह कारनामा भारत ने ऑस्ट्रेलिया में ही कर डाला। सिडनी टेस्ट हारने के बाद टीम अंपायरों के फैसले से बहुत गुस्सा थी। यह गुस्सा निकला पर्थ टेस्ट में जहां टीम इंडिया के तेज गेंदबाजों के कहर के सामने कंगारु कहीं नहीं टिके। भारत यह टेस्ट 72 रनों से जीत गया और 17 टेस्ट मैचों से अविजित चली आ रही ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया।

साल 2016, सिडनी

साल 2015 में ऑस्ट्रेलिया विश्वविजेता बनी और साल 2016 में वह लगातार 16 वनडे घरेलू मैदान पर जीत चुकी थी। सिडनी में भारत ने 331 रनों के लक्ष्य का पीछा करके ऑस्ट्रेलिया को यह मैच 6 विकेट से हराया। इस मैच में मनीष पांडे ने शतक जड़ा था।

तीसरा अंपायर नहीं देता नो बॉल तो सीरीज भी होती कब्जे में

महिला टीम ऑस्ट्रेलिया से यह वनडे सीरीज भी अपने कब्जे में कर लेती। हालांकि दूसरे वनडे में तीसरे अंपायर का एक फैसला भारत के खिलाफ गया। अंतिम गेंद पर ऑस्ट्रेलिया को 3 रनों की जरुरत थी और झूलन गोस्वामी की एक गेंद कैरी ने लेग साइड में खेल दी जिसे मंधाना ने कैच कर लिया। लेकिन इसे मैदानी अंपायर ने तीसरे अंपायर के लिए रिफर किया क्योंकि गेंद की उंचाई ज्यादा थी।

रीप्ले में साफ दिख रहा था कि कैरी झुकी हुई हैं और गेंद नीचे की ओर जा रही है लेकिन तीसरे अंपायर ने इसे नॉ बॉल करार दिया और भारत का जश्न मायूसी में बदल गया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम गेंद पर 2 रन बनाकर यह मैच जीत लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ये तेरा मेरा रिश्ता

भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें वर्कलोड की अधिकता रिश्तों में मीलों की दूरियां बढ़ा रहा है। बढ़ती महंगाई और आपके भौतिकवादी विचार ने आज रिश्तों के बीच दूरियां कायम कर दिया है।

आज जीवन पद्धति ने इंसान को व्यस्त कर दिया है, जिससे वो अपने किसी रिश्ते को सही से समय नहीं दे पा रहा है। आज के वैवाहिक जीवन में कपल्स शौक, जरूरत और उन्नति के लिए जॉब को प्राथमिकता देने लगे हैं। ऐसे में उनको एक दूसरे के साथ रहने के लिए बहुत ही कम समय निकल पाता है। इतने कम समय में वे अपने घरेलू कामों में ही लगे रहते हैं और एक-दूसरे के लिए बहुत ही कम समय दे पाते है, कई बार तो ऐसा भी होता है कि ऑफिस का वर्कलोड ये अपने घर तक ले आते हैं। ये काम ऑफिस में तो इनके प्रतिद्वंव्दी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन दिला देता है, लेकिन अपने साथी से दूरियां बढ़ा देता है। ऐसी दशा में रिश्तों की शुरुआत में ही दूरियां आने लगती हैं और बहुत ही थोड़े समय में टेंशन उनके बीच आ जाती है। आजकल कपल्स मैरिड लाइफ को ज्यादा महत्व नहीं देते। ये अपने साथी को थोड़ा बहुत समय देते हैं, तो मात्र शारिरिक सुख के लिए, लेकिन ये उनका स्वार्थ होता है, प्यार नहीं।

आपका साथ है उसका विश्वास

आपका साथी हमेशा आपका साथ मांगता है, क्योंकि आपका साथ ही उसमें आत्म विश्वास भरता है, और ये आत्म विश्वास जहां रिश्तों में सम्मान लाता है, वहीं हर कदम पर आपके साथ भी रहता है। रिश्तों को जुड़े चाहे कितना भी समय हो चुका हो, उनमें रोमांस हमेशा बने रहना चाहिए। यदि आपको लग रहा कि कुछ बदलाव आ रहा है और स्थितियां पहले कि तरह नहीं है, तो आपको इस तुरंत सोचने की जरूरत है। रिश्तों को बनाने में सालों लगते है और टूटने में एक पल भी नहीं लगता। कई बार हम अपनी दिनचर्या में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अपने आस-पास हो रहे परिवर्तनों पर भी ध्यान नहीं दे पाते। रिश्ते में कड़वाहट आ जाए या दूरियों के बाढ़ में ये तलाक या दो बेडरूम तक पहुंच जाए, इसके पहले ही हमें कुछ संकेत मिलने लगते हैं। यह अलग बात है कि हम लापरवाही के चलते इन पर ध्यान नहीं दे पाते। यदि आप अपने रिश्तों को टूटने से बचाना चाहते हैं तो उन संकेतों को समझने की कोशिश करें, जिनसे दूरियां बढ़ने का पता चलता है। ये संकेत आपके रिश्तें को बचाने का एक जरिया हो सकता है। इसमें कहीं हद तक आपकी समझदारी आपकी हेल्प करती है।

जब साथी कर रहा नजरअंदाज

आप ये जान लीजिए कि समाज हो या आपका घर, कहीं भी अचानक कुछ नहीं होता, चीजें धीरे-धीरे बदलती हैं। इसमें आपको थोड़ा समझदारी और संयम से काम लेना चाहिए। आपकी समझदारी ही आपके परिवार को इस आग की चपेट से निजात दिला सकती है। आपके व्यस्त जीवन के कारण ही आपका दांपत्य जीवन इस कंडीशन में आ गया है, ऐसे में आपकी सार्थक सोच ही आपके घर को फिर से हरा- भरा कर सकता है। सबसे पहले तो आपको अपने पिछले कार्यों को एक बार सोचना चाहिए। आखिर ऐसी दशा कहा से बन गयी और जल्दी अपने में सुधार ला दे, इसके साथ यदि आप अपने साथी को सॉरी बोल दे तो ज्यादा बेहतर है। इसके अलावा आप अपने साथी के शारिरिक संकेतों को समझने की कोशिश करिए। क्या आपका साथी पहले की तरह आप पर ध्यान नहीं दे रहा और आपकी बातों में रुचि नहीं ले रहे हैं?

आपके करीब आने पर आपका साथी असहज महसूस करता है। बेडरूम में आपको अनदेखा कर रहा है। बच्चों के मसले के अलावा और कोई विषय बातचीत का नहीं रह गया है। ये सब आप व्यक्त करना चाहें या नहीं लेकिन आपके शारीरिक संकेत बहुत कुछ कह देते हैं।

कोई और आ जाए जीवन में

ऐसे में आप दोनों पति-पत्नी के बीच प्रेम और लगाव की कमी भी रिश्तों में दूरियों के बढ़ने में अहम रोल निभाती है। अगर पहले जैसे प्यार की गरमाहट अब कहीं ढूंढ़ने से भी नजर नहीं आ रही तो समझिए कि यह खतरे का संकेत है। यह ठीक है विवाह के शुरुआती दिनों के बाद रोमांस का खुमार धीरे-धीरे कम होता चला जाता है। लेकिन ऐसा भी नहीं होता कि प्रेम बिलकुल नजर ही न आए। लेकिन आप दोनों चाहे तो आपका वैवाहिक जीवन फिर से भर सकता है।

जब रहे तनाव

जिंदगी एक खूबसूरत एहसास है। इसे संजीदगी से जीएं, तो इसका अपना ही मजा है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और उसमें काम का प्रेशर, जिंदगी को जहन्नुम बनाते जा रहे हैं। मंहगाई की मार ने आज जहां दामपत्य जीवन को प्रभावित किया है वहीं महिलाओं को भी घर से बाहर निकलने को मजबूर कर दिया है। हर कंपनी आज अधिकाधिक मुनाफे के लिए अपने कर्मचारियों का भरपूर शोषण करती है। घर की जिम्मेदारी, बच्चों का ख्याल, परिवार का पोषण इनके साथ में आफिस की टेंशन, ये जहां आपकी निजी जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं, वहीं आपके शरीर को भी अस्वस्थ कर रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार प्रेशर में काम करने से आपको हृदय रोग जैसी घातक बीमारी भी हो सकती है। क्या आपको पता है कि तनाव आपको जहां सही से काम करने से रोकता है वहीं इससे अवसाद होने की भी पूरी संभावना होती है। ऐसे में आपकी थोड़ी सी समझदारी ही आपको तनाव से मुक्ति दे सकती है। तनाव के हालात में काम करने से महिलाओं में हृदय रोग की आशंका पुरुषों की तुलना में दोगुनी होती है। यह बात एक नए अध्ययन में सामने आई है। अध्ययन में पाया गया है कि काम का तनाव पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को अधिक नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में आपको अपना काम करते समय धैर्य की आवश्यक्ता होती है। आपका धैर्य ही आपको कठिन से कठिन परिस्थिति में जीने की राह का निर्माण करती है।

आपसी अंडर स्टैंडिंग को बढ़ाएं

व्यवहार में बदलाव आपके बीच दूरियां बढ़ने का तीसरा संकेत है। क्या आपके साथी का अब आपकी बातों पर ध्यान नहीं जाता। गंभीर बातों को सुनकर भी अनसुना कर देते हैं। आपकी बातों का जवाब झुंझलाकर देते हैं। बेवजह गुस्सा करना इत्यादि। यदि ये सारे लक्षण उनके व्यवहार में नजर आ रहे हैं तो आप समझ लें कि ये खतरे की घंटी है। ऐसे में आप अपने साथी से प्यार से बात करें, आखिर वो क्यों आपसे रूठा हुआ है। यदि आपको कोई जवाब नहीं मिले तो आप गुस्सा होने की बजाय सही समय का इंतजार करें और बात करने का कोई भी मौका न गंवाएं।

जब वो रहने लगे चुप-चुप

साथी का मौन सबसे खतरनाक व्यवहार होता है, इसका आपके व्यक्तित्व पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। यदि आपका साथी आपके साथ अंतरंग पल नहीं बिताना चाहता तो समझे कि दूरियां बढ़ रही हैं। बेहद कठिनाई से बाहर जाने के बने कार्यक्रम में देखते हैं कि वहां केवल आप दोनों ही नहीं, कुछ और भी परिचित हैं, जिनके बारे में आपको पता भी नहीं था।

एल्यूमीनियम को करें एवाइड

हाल ही में इस संदर्भ में हुए शोध कार्यों से जो तथ्य सामने आए हैं उनसे पता चलता है कि एल्यूमीनियम के बर्तनों को खाना बनाने के लिए प्रयुक्त करने से भोजन में भी एल्यूमीनियम के अंश शामिल हो जाते हैं। जो बाद में हमारे शरीर में जाकर हमें नुकसान पहुंचाते हैं।

इसे जानना जरूरी है

असल में एल्यूमीनियम एक क्रियाशील धातु होती है। यही वजह है कि वायु के सम्पर्क में आने से इसके ऊपर एल्यूमीनियम ऑक्साइड की पर्त जम जाती है। जब टमाटर, इमली, आम, नमक, मसाले, सिरका, दही या नींबू जैसी अम्लीय वस्तुएं इन बर्तनों में डाली जाती हैं, तो ये एल्यूमीनियम ऑक्साइड भोजन में मिल जाते हैं। इनसे मस्तिष्क के अलावा हृदय तथा पाचन तंत्र पर भारी असर पड़ता है। अत: एल्यूमीनियम के बर्तन इस प्रकार के अम्ल युक्त खाद्य पदार्थ बनाने या रखने के लिए बहुत खतरनाक हो जाते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एल्यूमीनियम की अधिकता मस्तिष्क की विचार क्षमता एवं स्मरण शक्ति को क्षीण कर देती है। यदि शरीर में एल्यूमीनियम अधिक मात्रा में पहुंच जाए, तो इससे मस्तिष्क की कोशिकाओं के नष्ट होने या क्षतिग्रस्त होने का भय रहता है। इनसे अल्जाइमर्स या डिमेंशा जैसे भयानक स्नायु रोग, गुर्दो व अस्थि रोगों का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

ये हो सकता है सुरक्षित

इतना ही नहीं, बल्कि एल्यूमीनियम के बर्तनों में बनाई जाने वाली चाय भी मस्तिष्क के लिए हानिकारक हो सकती है। एक शोध में पाया गया है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों में फलोराइड युक्त पानी उबाला जाता है, तो पानी में एल्यूमीनियम की और अधिक मात्रा घुल जाती है। बताया जाता है कि यदि एल्यूमीनियम के बर्तनों को विद्युतलेपन करके प्रयोग में लाया जाए, तब ये बर्तन अपेक्षाकृत ज्यादा सुरक्षित हो जाते हैं। इसी तरह अगर इन बर्तनों का प्रयोग अम्लीय पदार्थों के लिए नहीं किया जाता, तो भी इनसे उतना खतरा नहीं रहता।

आया ई-बाइक्स का जमाना

इन दिनों बाइक के प्रति युवाओं का रूझान देखते ही बनता है। जहां कंपनियां एक से बढ़कर एक मॉडल लांच कर रहीं हैं, वही मॉडीफाइड बाइकों का भी चलन तेज हुआ है। लेकिन अगर आप कुछ ऐसा लेना चाहते हैं, जो आपकी जेब के साथ ही पर्यावरण को रास आए। तो बेशक तैयार हो जाइए, कुछ ऐसे ही अनुभव के लिए ई-बाइक्स के साथ। जिसको बच्चे भी काफी पसंद कर रहे हैं। आइए जानते हैं, ई-बाइक्स की खासियतों के बारे में इन दिनों युवाओं के साथ बच्चों में ई-बाइक्स को लेकर भी काफी क्रेज देखा जा सकता है। जिसमें कई ऐसी विशेषताएं हैं, जिनसे आप बाइक का बिल्कुल एक नया अनुभव पा सकते हैं। वैसे इस बाइक का चलन कॉलेज के लड़कों में ज्यादा देखने को मिलात है। जिसे दिलाने में पैरेंट्स को भी कोई परेशानी नहीं होती है।

लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन से फुर्सत

इस वक्त बाजार में दो तरह की ई-बाइक्स हैं- लो स्पीड और हाई स्पीड की बाइक। हाई स्पीड बाइक चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन की जरूरत होती है, लेकिन लो स्पीड बाइक्स में इसकी कोई जरूरत नहीं है। इनकी यही खूबी इन्हें 14-18 साल तक के बच्चों के लिए बेस्ट गिफ्ट बनाती है। तो फिर देरी किस बात की, इस बर्थ-डे पर अपने बच्चे को दीजिए, ऐसा ही कुछ प्यारा सा तोहफा।

फ्यूल नो प्राब्लम

आजकल हर कोई पेट्रोल के बढ़ते दामों से परेशान है, लेकिन ई-बाइक खरीदकर आप पेट्रोल के खर्चे से आसानी से बच सकते हैं, क्योंकि इन बाइक्स को चार्ज करके आसानी सफर किया जा सकता है। जिसको चार्ज करने में भी बिजली की खपत काफी कम होती है। यानि की इस बाइक को जरूरत पड़ने पर बड़ों के साथ बच्चे भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर कदम पर साथ

आज के आधुनिकता के समय में बैंकों कि भूमिका दिनोदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाएं इससे कहां तक अछूती रह सकती हैं। पिछले कुछ वर्षों में भी फाइनेंस मैटर्स में रुचि लेना शुरू कर दिया है और वे इन्वेस्टमेंट्स, टैक्स प्लानिंग आदि पर ध्यान देने लगी हैं। महिलाओं में बैक और पैसे के मैनेजमेंट को लेकर बढ़ रही रुचि को देखते हुए आजकल बैंक वगैरह भी कई लेडीज स्पेशल योजनाओं को बाजार में ला रहे हैं।

आपकी अपनी योजनाएं

- कई बैंक्स न्यूनतम बैलेंस से लेकर फ्री क्रेडिट या डेबिट कार्ड का ऑफर देते हैं।
- कुछ में ज्वेलरी इंश्योरेंस की स्कीम्स हैं, तो कुछ में एक्सीडेंट इंश्योरेंस की।
- चडीएफसी बैंक का ईजी शॉप वूमेंस एडवांटेज कार्ड एक वर्ष तक लॉकर फीस पर 50 प्रतिशत छूट देता है और साथ ही फ्री बिल पेमेंट सर्विस भी देता है।
- महिलाओं को दिए जाने वाले ज्यादातर कार्डस पर सोने की खरीदारी पर विशेष छूट से कुछ खास खरीदारी पर कैश बैंक स्कीम तक शामिल हैं।
- सिटी बैंक के वूमेंस वीजा सिल्वर कार्ड फ्री कार्ड के साथ एक अतिरिक्त फ्री कार्ड देता है, साथ ही हर 200 रुपए पर एक रिवॉर्ड पॉइंट के अलावा कुछ खास खरीदारी पर भी छूट देता है।
- एबीएन एम्रो की शक्ति सेव्रिग एकाउंट योजना में 5000 रुपए के न्यूनतम बैलेंस के साथ एक क्रेडिट कार्ड फ्री की सुविधा भी है।
- एक्सिस बैंक की स्मार्ट प्रीविलेज में न्यूनतम बैलेंस 10,000 रुपए हैं और जीरों बैलेंस माइनर एकाउंट के साथ-साथ डेबिट कार्ड पर ज्वेलरी इंश्योरेंस की सुविधा है।
- इनके अलावा बैंकों द्वारा महिलाओं को विशेष तौर पर लोन में भी कई सुविधाएं दी जाती हैं।
- ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स महिलाओं के लिए लोन पर 0.5 प्रतिशत का छूट देता है।
- कुछ बैंक्स जैसे कॉर्पोरेशन बैंक आदि सोना या गहने खरीदने के लिए कम ब्याज दर पर कामकाजी और गृहणियों को लोन मुहैया करवाते हैं।
- लड़कियों की शिक्षा के लिए भी एजुकेशन लोन कम ब्याज दर पर मुहैया करवाते हैं।
- प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत भी कई बैंक्स खास स्कीम्स व ऑफर्स देते हैं। जिनमें लोन क्रेडिट कार्ड, एकाउंट्स पर लोन उपलब्ध कराते हैं।
- कन्या विवाह सुविधा स्कीम के तहत स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद धन उपलब्ध कराता है। सोने के गहनों की खरीदारी पर भी विशेष छूट मिलती है।
- कामकाजी व घरेलू महिलाओं को भी आध्रा बैंक स्वर्णभरण स्कीम के तहत सोने की खरीदारी पर विशेष छूट व लोन उपलब्ध कराता है।
- स्त्री शक्ति पैकेज के तहत भी कुछ बैंक महिला रोजगार या व्यापार को बढ़ावा देने के लिए खास छूट देते हैं।
- कॉर्पोरेशन बैंक की वनिता उद्योग स्कीम और केनरा बैंक की महिला निधि स्कीम छोटे व्यापार के लिए महिलाओं को सॉफ्ट लोन उपलब्ध कराते हैं।
- एसएमई यानी स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइज के लिए इलाहाबाद बैंक और आंध्रा बैंक कम ब्याज दरों पर लोन उपलब्ध कराता है।
- स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ' स्व रोजगार में शामिल महिलाओं व कामकाजी महिलाओं को प्राइमरी दिवा कार्ड भी कामकाजी या घरेलू महिला को उपलब्ध कराता है।
- इसी तरह से सिटी बैंक का वुमन वीजा मनी कार्ड, एचडीएफसी का वुमेंस गोल्ड कार्ड, आईसीआईसीआई का बिग बाजार शक्ति क्रेडिट कार्ड, महिलाओं को विशेष छूट देता है।
- आपको बता दें कि कुछ कार्ड्स कैश बैंक की सुविधा देते हैं तो कुछ गिफ्ट्स ऑफर करते हैं। खास खरीदारी पर जैसे एचडीएफसी का ईजी शॉप वुमेंस एडवांटेज डेबिट कार्ड, सिटी बैंक का ग्रॉसरी डेबिट कार्ड और यूटीआई का स्मार्ट प्रीविलेज एकाउंट वुमेंस स्पेशल कार्ड उपलब्ध कराता है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान के फादर ऑफ नेशन मुहम्मद अली जिन्ना की मूर्ति को विस्फोट से उड़ाया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के फादर ऑफ नेशन कहलाने वाले मुहम्मद अली जिन्ना की प्रतिमा को बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने रविवार को नष्ट कर दिया है। बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने एक अधिकारिक बयान में बताया कि, उनके कुछ कार्यकर्ताओं ने ग्वादर में मरीन ड्राइव पर जिन्ना की मूर्ति को विस्फोटकों से नष्ट कर दिया है। पाकिस्तान मीडिया चैनल डॉन के खबर के मुताबिक, बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। खबर में बताया कि, यह प्रतिमा इस साल की शुरुआत में मरीन ड्राइव पर लगाई गई थी जिसे सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि कुछ आतंकवादियों ने प्रतिमा के नीचे एक विस्फोटक उपकरण रखा और उसे उड़ा दिया। वहीं बलूच कार्यकर्ताओं ने मुहम्मद अली जिन्ना को हीरो के रूप में चित्रित करने के लिए पाकिस्तान पर भी निशाना साधा है। ग्वादर के उपायुक्त मेजर अब्दुल कबीर ने बताया कि, जिन्ना की प्रतिमा को विस्फोट से उड़ाने वाले बलूच कार्यकर्ता पर्यटक के भेष में आए थे। जानकारी के मुताबिक, हमला रविवार सुबह करीब 9.20 बजे हुआ था। कबीर ने आगे बताया कि, अधिकारियों ने हमले की जांच शुरू कर दी है लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इजरायल के साथ सामान्यीकरण कॉल पर 3 इराकियों के लिए गिरफ्तारी वारंट

बगदाद। बगदाद की एक अदालत ने इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए एक बैठक में तीन प्रतिभागियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, एक प्रस्ताव जिसे ट्राकी सरकार ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने एक बयान में कहा कि अदालत ने रविवार को कबायली नेता विसम अल-हरदान, पूर्व विधायक मितल अल-अलौसी और इराकी संस्कृति मंत्रालय के एक कर्मचारी सहार करीम अल-ताई के खिलाफ वारंट जारी किया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कुर्दिस्तान के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र की राजधानी एरबिल में कुछ आदिवासी हस्तियों और व्यक्तियों द्वारा दो दिन पहले आयोजित एक अवैध बैठक में इराकी सरकार ने भाग लिया। बयान में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायिक परिषद एरबिल बैठक में अन्य प्रतिभागियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी, जब अधिकारियों को उनका पूरा नाम मिल जाएगा। एरबिल बैठक में इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य करने के आह्वान की सरकार और लोगों दोनों ने निंदा की और इसे खारिज कर दिया।

अफगान एयरलाइन ने विस्थापितों की जगह रिश्तेदारों को देश से बाहर निकाला : रिपोर्ट

काबुल। एक निजी अफगान एयरलाइन ने विस्थापित या शरणार्थियों के बजाय कंपनी के नेतृत्व के कम से कम 155 परिवार के सदस्यों को लेकर अबू धाबी के लिए उड़ान भरी, जिसमें पत्रकार भी शामिल थे। सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, टोलो न्यूज ने कहा कि काम एयर की उड़ान का उद्देश्य तालिबान के अधिग्रहण के बाद पत्रकारों और अन्य योग्य व्यक्तियों को देश से बाहर निकालना था, लेकिन एयरलाइन के नेतृत्व के परिवार अंतिम समय में आधे-खाली विमान में घुस गए। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी में उड़ान के उतरने के बाद, अमेरिकी विदेश विभाग को पता चला कि विस्थापित तो इस सूची में हैं ही नहीं। हालांकि, काम एयर के अधिकारियों ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि कंपनी निकासी में शामिल नहीं थी और वह तो केवल उन्हें स्थानांतरित करने के लिए ज़िम्मेदार थी।

चेकपोस्ट पर हमले में पाकिस्तानी सैनिक की मौत

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों की एक चौकी को आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाकर किए गए हमले में एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह 24 सितंबर के बाद प्रांत में तीसरा आतंकी हमला है। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बयान में कहा कि हमला रविवार को माख इलाके में अर्धसैनिक बलों के फ्रंटियर कोर की चौकी पर हुआ। समाचार एजेंसी ने सेना के हवाले से बताया कि सैनिकों ने तुरंत जवाब दिया और गोलीबारी के दौरान एक सैनिक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। आईएसपीआर ने कहा, पाकिस्तानी सेना बाहरी प्रायोजित आतंकवादी तत्वों द्वारा इस तरह की कायराना हरकतों को हराने के लिए प्रतिबद्ध है। 24 सितंबर को आवारन जिले में हुए एक हमले में दो सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हो गए थे। अगले दिन, हरनाई जिले में अर्धसैनिक बलों के फ्रंटियर कोर के एक वाहन ने सड़क के किनारे लगाए गए विस्फोटकों को टक्कर मार दी, जिससे चार सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की ज़िम्मेदारी ली है।

सूडान के प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा विवाद सेना, नागरिकों के बीच नहीं

खार्तूम। सूडान के प्रधान मंत्री अब्दुल्ला हमदोक ने कहा कि देश में मौजूदा विवाद सेना और नागरिकों के बीच नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के बीच है जो लोकतांत्रिक परिवर्तन का समर्थन करते हैं और जो इसे अवरुद्ध करना चाहते हैं। सूडान के आधिकारिक टीवी पर रविवार को प्रसारित एक भाषण में हमदोक ने कहा कि क्रांति में बलों की एकता अपने रास्ते में आने वाले सभी खतरों से बचाने की गारंटी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सभी दलों से संवैधानिक दस्तावेज के लिए खुद को सख्ती से प्रतिबद्ध करने, एकतरफा पदों से दूर रहने और अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सशक्तिकरण निष्कासन समिति क्रांति के लाभों में से एक है जिसका बचाव और संरक्षण किया जाना चाहिए।

विवादास्पद साउथ कोरियाई मीडिया विधेयक पर तनातनी

सियोल (एजेंसी)।

प्रेस की स्वतंत्रता को संभावित रूप से कमजोर करने के लिए आलोचना के तहत विवादास्पद मीडिया बिल के भाग्य का फैसला करने के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी दलों ने सोमवार को आखिरी मिनट की बातचीत की।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) और मुख्य विपक्षी पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के फ्लोर लीडर्स और उनके छह अन्य सांसदों ने बिल पर द्विदलीय वार्ता के अंतिम दौर के लिए सुबह मुलाकात की। मीडिया मध्यस्थता अधिनियम में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा प्रस्तावित संशोधन, फर्जी खबरों के खिलाफ दंडात्मक नुकसान को मजबूत करने पर केंद्रित है, डीपी द्वारा अगस्त के अंत में एक पूर्ण संसदीय बैठक के माध्यम से इसे आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रारंभिक योजना से पीछे हटने के बाद लगभग एक महीने से द्विदलीय बातचीत चल रही है। सत्तारूढ़ पार्टी ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि संशोधन, मीडिया आउटलेट्स को झूठी या हेरफेर की गई समाचार रिपोर्ट प्रकाशित करने के दोषी पाए गए लोगों पर सामान्य से पांच गुना अधिक दंडात्मक हर्जाना लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की आलोचना के तहत आया, यह संभावित रूप से प्रेस अधिकारों को कमजोर कर सकता है।

विवादित संशोधन प्रस्ताव को सुचारू करने के लिए गठित एक आठ-व्यक्ति द्विदलीय सलाहकार निकाय, रविवार सहित पिछले महीने के दौरान 10 से अधिक मौकों पर मिल चुका है, लेकिन परिणाम देने में विफल रहा है। विवाद में बिल के तहत दंडनीय दुष्प्रचार की परिभाषा के साथ-साथ पांच गुना दंडात्मक नुकसान की परिभाषा तय करने वाले कुछ खंड हैं, जिन पर स्थानीय और वैश्विक मीडिया संघों ने मीडिया की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। डीपी ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी कि वह सोमवार को एक पूर्ण नेशनल असेंबली सत्र के माध्यम से बिल को आगे बढ़ाने की अपनी योजना के साथ आगे बढ़ेगी। एक सदनीय 300 सदस्यीय विधानसभा की 169 सीटों को नियंत्रित करते हुए, डीपी के पास अपने दम पर एक विधेयक पारित करने की शक्ति है। इस बीच, पीपीपी ने चेतावनी दी है कि अगर डीपी ने एकतरफा मतदान के लिए इसे रखा तो वह बिल को अवरुद्ध करने के लिए एक फाइलबस्टर शुरू करेगी।

जर्मनी चुनाव : सोशल डेमोक्रेट पार्टी ने हासिल किया मत, एंजेला की पार्टी को हराया

बर्लिन। जर्मनी के आम चुनाव में मध्यमार्गी वामपंथी सोशल डेमोक्रेट पार्टी ने सर्वाधिक मत हासिल किए हैं और बेहद करीबी मुकाबले में निर्वतमान चांसलर एंजेला मर्केल की मध्यमार्गी दक्षिणपंथी पार्टी यूनियन ब्लॉक को हरा दिया। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि सोमवार

सुबह सभी 299 सीटों की मतगणना में सोशल डेमोक्रेट ने 25.9 प्रतिशत वोट प्राप्त किए जबकि यूनियन ब्लॉक को 24.1 प्रतिशत वोट मिले। पर्यावरणविदों की ग्रीन्स पार्टी 14.8 प्रतिशत वोट के साथ तीसरी बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इसके बाद कारोबार सुगमता की पक्षधर फ्री डेमोक्रेट्स को 11.5 प्रतिशत वोट मिले। दोनों दल पहले ही इस बात के संकेत दे चुके हैं कि वे नयी सरकार के गठन में सहयोग कर सकते हैं। रविवार को हुई मतगणना में धुर दक्षिणपंथी अल्टर्नेटिव फॉर जर्मनी 10.3 प्रतिशत वोट के साथ चौथे स्थान पर रही जबकि वाम दल को 4.9 प्रतिशत वोट मिले। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 1949 के बाद यह पहली बार है जब डैनिश अल्पसंख्यक पार्टी एसएसडब्ल्यू संसद में एक सीट जीत पाई है। नतीजों से ऐसा प्रतीत होता है कि यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को नयी सरकार के गठन में काफी जोड़ तोड़ करना होगा जबकि नए चांसलर के शपथ लेने तक मर्केल कार्यवाहक चांसलर की भूमिका में रहेंगी।

जापान में दो महिलाओं समेत चार उम्मीदवार प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल

तोयो। (एजेंसी)।

जापान का अगला प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से दो महिलाओं का होना लैंगिक भेदभाव के कारण कुख्यात देश की राजनीति के लिए एक बड़ा कदम होगा। साने ताकाइची और सेको नोडा पिछले 13 साल में देश की पहली महिलाएं हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद के चुनाव में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेतृत्व के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। यह चुनाव बुधवार को होगा। विजेता का अगला प्रधानमंत्री बनना निश्चित है, क्योंकि एलडीपी और इसके गठबंधन साझेदारों के पास संसदीय बहुमत है। भले ही ये दोनों महिला नेता एलडीपी सदस्य हैं, लेकिन वे कई तरीकों से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं।

अति-रूढ़िवादी ताकाइची एक तरह के पितृसत्तात्मक राष्ट्रवाद और एक मजबूत सेना की वकालत करती हैं, जबकि उदारवादी नोडा महिलाओं की उन्नति और लैंगिक विविधता की समर्थक हैं। ओसाका यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स में समाज एवं राजनीति में महिलाओं की भूमिकाओं के विषय की विशेषज्ञ मायूमी तानिगुची ने कहा, ''जापान की राजनीति में महिलाओं की संख्या बहुत कम है। उनके पास राजनीति में बने रहने और सफल होने के तरीकों के सीमित विकल्प हैं। वे पुरुषों के समूह की राजनीति का मुकाबला कर सकती हैं या वे उनके प्रति वफादार रह सकती हैं।'' उन्होंने कहा कि ताकाइची ने स्पष्ट रूप से पुरुषों के प्रति वफादारी को चुना, जबकि नोडा मुख्यधारा से परे जाकर किंतु टकराव के बिना काम करती प्रतीत होती हैं और ''वे दोनों एक दूसरे से काफी अलग हैं''। निवर्तमान प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा का उत्तराधिकारी बनने के लिए इन महिलाओं के सामने टीकाकरण मंत्री तारो कोनो और पूर्व विदेश मंत्री फुमिओ किशिदा की चुनौती है।

कोनो और किशिदा को दमदार उम्मीदवार माना जा रहा है। ये दोनों ही जाने-माने राजनीतिक परिवारों से संबंध रखते हैं और पार्टी के शक्तिशाली धड़ों से संबंधित हैं, लेकिन कुछ लोग ताकाइची को तेजी से उभरती उम्मीदवार के तौर पर देख रहे हैं, जिन्हें पूर्व नेता शिंजो आबे का समर्थन प्राप्त है। पार्टी सांसदों को लेकर किया गया मीडिया का ताजा सर्वेक्षण दर्शाता है कि उन्हें पार्टी के रूढ़िवादियों का समर्थन मिलना आरंभ हो गया है, जबकि नोडा चौथे स्थान पर हैं। इससे पहले जापान में एकमात्र महिला उम्मीदवार युरिको कोइके थीं, जो 2008 के चुनाव में उम्मीदवार थीं। वह इस समय तोक्यो की गवर्नर हैं। हालांकि ताकाइची या नोडा के प्रधानमंत्री बनने की संभावना कम है, लेकिन शीर्ष पद के लिए दो महिलाओं का यह प्रयास सत्तारूढ़ दल के लिए प्रगति माना जा रहा है। कुछ विशेषज्ञों ने ताकाइची की लैंगिक भेदभाव वाली नीतियों की आलोचना की है।

सोफिया विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर मारी मिउरा ने कहा, ''अगर वह जीत जाती हैं तो वह महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा नहीं देंगी।'' विश्व आर्थिक मंच द्वारा लैंगिक भेदभाव को लेकर 2021 में किए गए 156 देशों के सर्वेक्षण में जापान उन्नत देशों के समूह 'ग्रुप ऑफ सेवन्स' में सबसे निचले स्थान पर रहा है। जापान की संसद में महिलाओं की संख्या केवल 10 प्रतिशत है और विश्लेषकों का कहना है कि कई महिलाएं लैंगिक समानता की वकालत करने के बजाय पार्टी के प्रति वफादारी दिखाकर आगे बढ़ने की कोशिश करती हैं।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद भोजन और दवाओं की मार झेल रहे अफगानी

काबूल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में जब से तालिबान का कब्जा हुआ है तभी से आम लोगों पर कई बंदिशे लगा दी गई है। तालिबान की सत्ता में अफगानिस्तान के हालात और भी खराब होते जा रहे हैं। हिंदी अखबार हक्क्ष में छपी एक खबर के मुताबिक, सूखा और पैसे की तंगी से जूझ रहे अफगानी अब दाने-दाने के मोहताज हो गए है। भोजन की कमी से जूझ रहे अफगानियों को न केवल खाने की कमी सता रही है बल्कि अब उनके सामने दवाइयों का संकट भी आ गया है। तास की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान में इस समय न केवल पेट्रोल-डीजल बल्कि खाद्य सामग्री और दवाइयों की कमी देखने को मिल रही है और साथ ही इनकी कीमतें आसमान को छू रही है।

वहीं तालिबानी हुकुमत के बीच कई अफगानी ऐसे भी है जो अपने पारिवार का पेट पालने के लिए मजबुर हो रहे है। कामकाज न होने के कारण अफगानिस्तान की आवाम काफी समस्याओं का सामना कर रही हैं। अफगानिस्तान के बस और टैक्सी चालक के मुताबिक, तालिबान ने जब से अपनी सत्ता जमाई है उसके बाद से ही तेल की कीमतों में करीब 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई हैं।बढ़ते तेल के दामों के कारण गुजारा करना काफी मुश्किल हो रहा है।वहीं, काबुल के निवासियों ने कहा कि, आटे से लेकर सब्जियों तक के दाम ऊपर पहुंच गए है। जहां आटे के दाम में 30 फीसदी की तेजी दिखाई दी है वहीं सब्जियों के दामों में 50 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि अफगानियों को अपने बैंक से पैसे तक निकालने में दिक्कतें आ रही है क्योंकि बैंक से धन निकासी में इस समय वहां पाबंदी लगी हुई है।

जयशंकर ने यूएनजीए के इतर कई देशों के विदेश मंत्रियों से की वार्ता, अमेरिका से मेक्सिको जाएंगे

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को मेक्सिको के अपने समकक्ष मार्सेलो एब्रार्ड कैसाबोन के आमंत्रण पर मेक्सिको के लिए रवाना होंगे। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर कई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जयशंकर 26-28 सितंबर तक मेक्सिको की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्री के रूप में मेक्सिको की अपनी पहली यात्रा के दौरान जयशंकर मेक्सिको की आजादी की 200 वीं वर्षगांठ के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

कैसाबोन के साथ अपनी बैठक के अलावा वह मेक्सिको के राष्ट्रपति मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से भी मुलाकात करेंगे और मेक्सिको में प्रमुख सीईओ और व्यापारिक समुदाय के साथ बातचीत करेंगे, जो वर्तमान में लातिन अमेरिका में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। मेक्सिको रवाना होने के पहले जयशंकर ने कई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की। जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का से भी बातचीत की। जयशंकर ने इथियोपिया के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मेकोनेन हसन के साथ भी वार्ता की। इसके अलावा वेनेजुएला और निकारागुआ के विदेश मंत्रियों से भी चर्चा की। जयशंकर ने केन्या के विदेश मंत्री रेशेल ओमामो से भी दोनों देशों के संबंधों पर चर्चा की। जयशंकर ने यमन के विदेश मंत्री डॉ. अहमद अवाद बिन मुबारक से भी वार्ता की।

ड्यूटी के दौरान अमरिकी सिख नौसैनिक पहन सकेगा पगड़ी, 246 साल के इतिहास में ऐसा करने वाला बना पहला व्यक्ति

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

अमेरिका के एक 26 वर्षीय सिख-अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी को कुछ सीमाओं के साथ पगड़ी पहनने की इजाजत दी गई है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। वह इस प्रतिष्ठित बल के 246 साल के इतिहास में ऐसा करने की अनुमति पाने वाला वह पहला व्यक्ति है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कहा गया है, लगभग पांच साल से हर सुबह लेफ्टिनेंट सुखबीर तूर अमेरिकी नौसैनिक कोर की वर्दी धारण करते आए हैं और बृहस्पतिवार को, सिर पर सिख पगड़ी पहनने की उनकी तमन्ना भी पूरी हो गई। खबर में कहा गया है कि मरीन कोर के 246 साल के इतिहास में तूर पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें पगड़ी पहनने की अनुमति मिली है।

तूर ने एक साक्षात्कार में कहा, आखिरकार मुझे मेरे विश्वास और देश में से किसी एक को चुनने की नौबत नहीं आई। मैं जैसा हूं, वैसा ही रहते हुए दोनों का सम्मान करता हूं। तूर ने इस अधिकार को प्राप्त करने के लिये संघर्ष किया है। इस साल जब वह पदोन्नति पाकर कैप्टन बने तो उन्होंने अपील का फैसला किया। खबर के अनुसार यह इतने लंबे समय तक चला इस तरह का पहला मामला था। वाशिंगटन और ओहायो में पले-बढ़े भारतीय प्रवासी के बेटे तूर को कुछ सीमाओं के साथ ड्यूटी पर पगड़ी पहनने की अनुमति मिली है। वह सामान्य ड्यूटी के दौरान पगड़ी पहन सकते हैं, लेकिन युद्ध क्षेत्र में तैनात होने पर वह ऐसा नहीं कर सकते। एनवाईटी की खबर में कहा गया है कि तूर ने मरीन कोर कमांडेंट के प्रतिबंधात्मक निर्णय के खिलाफ अपील की है, और उनका कहना है कि अगर उन्हें सभी जगह पगड़ी पहनने की अनुमति नहीं मिलती है तो वह कोर के विरुद्ध मुकदमा करेंगे।

ऑकस समझौता : न्यूजीलैंड को परमाणु-निरोध कूटनीति तेज करनी होगी

हैमिल्टन। (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया (ऑकस) के बीच हाल ही में सामने आए सुरक्षा समझौते का न्यूजीलैंड भले हिस्सा न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से इसके राजनयिक और रणनीतिक प्रभावों एवं घटनाक्रम से बच नहीं सकता है। अमेरिका और ब्रिटेन इस साझेदारी के तहत ऑस्ट्रेलिया को परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बी क्षमता प्रदान करेंगे। अमेरिका क्षेत्र में सैन्य ठिकानों संबंधी अधिक अधिकार प्राप्त करना चाह रहा है। उन्हें क्षेत्र के परमाणुकरण को ले कर आसियान देशों की आशंकाओं को भी दूर करना है। ऑकस समझौते को लेकर चीन और रूस दोनों ने ही नकारात्मक प्रतिक्रिया की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के साथ पनडुब्बी समझौता रद्द होने के कारण फ्रांस भी खुद को ठगा पा रहा और आहत है।

नए समझौते में रणनीतिक प्राथमिकताएं बदलने के पीछे मुख्य बात है परमाणु खतरे की जो कि बढ़ता जा रहा है। इसका उद्देश्य चीन को रोकने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने पर है। चीन पहले ही चेतावनी दे चुका है कि ऑकस के कारण ऑस्ट्रेलिया परमाणु संघर्ष की स्थिति में निशाने पर आ सकता है। न्यूजीलैंड का परमाणु मुक्त दर्जा इसे संभावित लक्ष्य बनाने से बचाता है। वह फाइव आइज इंटेलिजेंस नेटवर्क का अभिन्न हिस्सा है। लेकिन यह बात उसे परमाणु संघर्ष में संभावित निशाना बना सकती है या नहीं, यह बात केवल उसके संभावित शत्रु ही बता सकते हैं। परमाणु विनाश की आशंका सच्चाई के बेहद करीब है। डूम्सडे क्लॉक के अनुसार दुनिया में 13,100 परमाणु हथियार हैं, इनमें से 1,550 अमेरिका और रूस द्वारा हाई अलर्ट पर रखे गए हैं जिसका मतलब है कि आदेश पर 15 मिनट में दागे जा सकते हैं। इनके अलावा उनके पास हजारों अन्य परमाणु हथियार भी हैं।

परमाणु हथियार सम्पन्न अन्य देश हैं फ्रांस, ब्रिटेन, इजराइल, भारत, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान और चीन और अनुमान है कि उनके पास करीब 1000 परमाणु हथियार हैं। इनमें से ज्यादातर परमाणु हथियार उस अमेरिकी बम से कहीं अधिक प्रभावशाली हैं जिसने 1945 में हिरोशिमा को तबाह कर दिया था। अमेरिका, रूस और चीन द्वारा नई पीढ़ी की हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में निवेश करने से हथियार प्राप्त करने की नई दौड़ शुरू होने का भय भी है। न्यूजीलैंड 1980 के दशक में परमाणु मुक्त हो गया था और उसने इस नीति को आगे बढ़ाने के लिए बहुत मेहनत की तथा निरस्त्रीकरण के प्रयास किए। 2017 में 122 देशों ने परमाणु हथियार पर रोक संबंधी संयुक्त राष्ट्र की संधि पर हस्ताक्षर किए थे लेकिन परमाणु सम्पन्न नौ देशों ने इसे खारिज कर दिया।

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हस्ताक्षर करने वाले देशों से यहां तक कहा कि उन्होंने 'एक रणनीतिक गलती' की है। न्यूजीलैंड को अपनी परमाणु-मुक्त नीति को बनाए रखने और बढ़ावा देने के साथ-साथ विशेष रूप से अपने क्षेत्र में तनाव और जोखिम को कम करने के बारे में भी व्यावहारिक होना चाहिए।

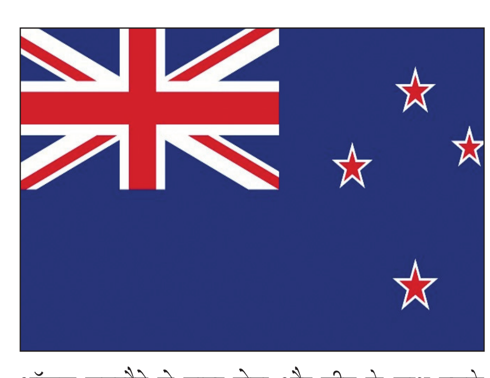

ऑकस समझौते से बाहर होना और चीन के साथ उसके अच्छे संबंध होना एक अच्छी शुरुआत है। 2019 के आतंकवादी हमले के बाद जेसिंडा अर्डन और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'क्राइस्टचर्च कॉल' पहल शुरू की थी जिसने दिखाया कि न्यूजीलैंड और फ्रांस अच्छी तरह से सहयोग कर सकते हैं।

सार समाचार

सिंघू बॉर्डर पर दिल का दौरा पड़ने से किसान की मौत

नई दिल्ली। पुलिस ने यहां बताया कि तीन विवादित कृषि कानूनों के खिलाफ सिंघू बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे एक किसान की सोमवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। मृतक किसान की पहचान 55 वर्षीय बघेल राम के रूप में हुई है, जो पंजाब के खेला गांव का निवासी था और कीर्ति किसान यूनियन (केकेयू) का सदस्य था। केकेयू के एक अन्य सदस्य रघुवीर सिंह ने कहा कि बघेल राम की तबीयत कुछ समय से ठीक नहीं चल रही थी और वह अपने डेरे में आराम कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि बघेल की मौत की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और उसे पास के अस्पताल ले गए जहां किसान को मृत घोषित कर दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद पता चला कि किसान की मौत हार्ट अटैक से हुई है। पहले किसान की मौत को लेकर अफरातफरी की खबरें आती थीं, लेकिन पुलिस ने ऐसी सभी खबरों का खंडन किया। उनकी मृत्यु कृषि संघों द्वारा देशव्यापी हड़ताल के दिन हुई है।

कांग्रेस नेता अनिल चौधरी को किसानों ने दिखाया वापसी का रास्ता

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के विरोध में भारत-बंद के समर्थन में दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पहुंचे कांग्रेस के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी को किसानों ने वापसी का रास्ता दिखाया। दरअसल अध्यक्ष अनिल चौधरी दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को भारत-बंद के दौरान सुबह करीब 11 बजे गाजीपुर बॉर्डर पर पहुंचे, लेकिन प्रदर्शन में शामिल किसानों ने उन्हें वापस लौटा दिया। हालांकि अनिल चौधरी ने इस दौरान धरने पर बैठे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत से भी मुलाकात की। इस पूरे मामले पर भारतीय किसान यूनियन और धरने पर बैठे किसानों का पक्ष रखते हुए प्रवीण मलिक ने कहा, हमने उनसे कहा कि हम समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं लेकिन हमारा आंदोलन और मंच गैर-राजनीतिक है। जिसका पालन हम पिछले एक साल से कर रहे हैं क्योंकि हमने पहले ही घोषणा कर दी थी। इसलिए हमने अनिल चौधरी और कांग्रेस नेताओं से अनुरोध किया कि वे हमारी साइट से थोड़ी दूर पर विरोध करें।

महाराष्ट्र के ठाणे से जब्त किया गया 8000 किलोग्राम बीफ, कीमत आठ लाख; 2 गिरफ्तार

ठाणे। पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे शहर में प्रतिबंधित पशु मांस की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है और 8000 किलोग्राम बीफ जब्त किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। कलवा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शनिवार को नासिक-मुंबई राजमार्ग पर खरेगांव टोल नाका पर एक टैंपो को रोका। उन्होंने बताया कि पुलिस को वाहन में बीफ मिला और पूछताछ के दौरान उन्हें पता चला कि मांस को पड़ोसी नासिक जिले के मालेगांव से मुंबई से सटे कुर्ला ले जाया जा रहा था। अधिकारी ने बताया कि मांस की कीमत लगभग आठ लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि टैंपो भी जब्त कर लिया गया है।

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री फलेरियो ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया

पणजी। गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता लुइजिन्हो फलेरियो ने सोमवार को राज्य विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल होने की संभावना है। इस्तीफा देने से कुछ मिनट पहले फलेरियो ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी की प्रशंसा की और कहा कि देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए उनके जैसे नेता की जरूरत है। फलेरियो नवेलिम विधानसभा सीट से विधायक थे। उन्हें अगले साल होने वाले राज्य चुनावों के मद्देनजर गोवा कांग्रेस की प्रचार समिति का प्रमुख बनाया गया था।

दिल्ली में इस साल अब तक डेंगू के 273 मामले, 149 मामले अकेले सितंबर में आये

नयी दिल्ली। दिल्ली में पिछले एक हफ्ते में डेंगू के 60 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। इस साल अब तक डेंगू के 270 मामले आ चुके हैं। नगर निकाय की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार इस महीने 25 सितंबर तक डेंगू के कम से कम 149 मामले सामने आए हैं जो कुल मामलों के 54 फीसदी हैं। इस वर्ष 25 सितंबर तक मलेरिया के 102 मामले तथा चिकुनगुनिया के 52 मामले भी सामने आ चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार एक जनवरी से 25 सितंबर के बीच डेंगू के कुल 273 मामले सामने आ चुके हैं जो 2019 के बाद से सर्वाधिक हैं जब इस अवधि में 282 मामले सामने आए थे। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने 22 सितंबर को जो आंकड़े साझा किए थे उनके मुताबिक पिछले वर्ष सितंबर में 188 मामले और उसके पिछले वर्ष में 190 मामले सामने आए थे। उससे पहले के वर्षों में 374 (2018), 1103 (2017), 1362 (2016) और 6775 (2015) मामले सामने आए थे।'

इस साल के दीपोत्सव में होगा मेगा ड्रोन शो

अयोध्या। दीपोत्सव के चलते इस साल अयोध्या में एक शानदार एयर शो होगा, जिसमें सैकड़ों ड्रोन आसमान में चमकदार आकृतियां बनाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 800-1,000 ड्रोन एक साथ त्रेता युग की जादुई आभा पैदा करने के लिए उड़ान भरेंगे, जो 14 साल के वनवास के बाद सीता के साथ भगवान राम की घर वापसी का प्रतीक है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और दीपोत्सव की तैयारियों के नोडल अधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि परियोजना के सरकार के सामने प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है ताकि उसे मंजूरी मिल सके। जिसके बाद जल्द ही एक अंतिम निर्णय लिया जाएगा। राज्य सरकार की योजना सरयू नदी के घाटों को 7.5 लाख दीयों से रोशन करने और 5.5 लाख दीयों के अपने पहले के रिकॉर्ड को तोड़ने की है।

किसान आंदोलन पर बातचीत से हल निकल सकता था : सपा-बसपा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत-बंद पर समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने कहा कि पिछले कई महीनों से जारी आंदोलन के दौरान 700 से ज्यादा किसानों की मौत हो गई जबकि बातचीत से हल निकल सकता था। सपा ने कहा केंद्र में सत्तारूढ़ ये पहली ऐसी सरकार है जो अपने ही खिलाफ प्रदर्शन को खाद-पानी दे रही है।

किसानों के समर्थन में उतरी समाजवादी पार्टी की प्रवक्ता नाहिद लारी खान ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, केंद्र की सत्ता में ये पहली ऐसी सरकार है जो पिछले एक साल से चल रहे आंदोलन का कोई हल नहीं निकाल पाई। ये पहली ऐसी सरकार है जो अपने ही खिलाफ प्रदर्शन को खाद-पानी दे रही है। देश में 80 फीसदी आबादी किसान परिवारों की है लेकिन सरकार इनको अनसुना कर रही है। केंद्र सरकार 30 हजार करोड़ सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के निर्माण में लगा सकती है लेकिन किसानों के हित के लिए कोई कदम नहीं उठा सकी। 12 हजार करोड़ रुपये

गन्ना किसानों का बकाया है, जिसके मुकाबले सरकार ने मात्र 25 रुपये प्रति क्विंटल दाम बढ़ाये हैं।

वहीं बहुजन समाज पार्टी के नेता सुधिन्द्र भदौरिया ने आईएएनएस से कहा, एक साल के आंदोलन के दौरान 700 से ज्यादा किसानों की मौत हो गई। केंद्र सरकार को बातचीत के माध्यम से इस प्रदर्शन को पहले ही समाप्त कर देना चाहिए था। बातचीत से किसी भी समस्या का हल निकाला जा सकता है। किसानों की सभी मांगे जायज हैं और बहुजन समाज पार्टी किसानों के साथ खड़ी है।

गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी ने पहले ही भारत-बंद में शामिल होने की घोषणा कर दी थी। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कहा केंद्र द्वारा जल्दबाजी में बनाए गए तीन कृषि कानूनों से असहमत व दुखी देश के किसान इनकी वापसी की मांग को लेकर लगभग 10 महीने से पूरे देश व खासकर दिल्ली के आसपास के राज्यों में तीव्र आन्दोलित हैं- भारत बंद के शांतिपूर्ण आयोजन को बसपा का समर्थन।

वहीं समाजवादी पार्टी ने भी ट्वीट कर कहा, भाजपा सरकार के काले कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलित किसानों द्वारा बुलाए गए भारत बंद का समाजवादी पार्टी पूर्ण समर्थन करती है। किसान विरोधी काले कानूनों को वापस ले सरकार।

गौरतलब है कि सरकार और किसानों के बीच ग्यारह दौर की बातचीत हो चुकी है लेकिन सभी बातचीत बेनतीजा ही रही हैं।

महाराष्ट्र कांग्रेस की रजनी पाटिल का राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुना जाना तय

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रजनी पाटिल का राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित होना तय है, क्योंकि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को यहां उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार को वापस लेने का फैसला किया। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। मई में कोविड -19 के कारण राजीव सातव की मृत्यु के बाद उपचुनाव आवश्यक हो गया था, जिसमें पाटिल और संजय उपाध्याय ने खाली सीट के लिए नामांकन दाखिल किया था। उत्तर-भारतीय उपाध्याय की उम्मीदवारी को राज्य में आगामी नागरिक चुनावों और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा के लिए एक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा था। दोनों जगहों पर 2022 की शुरुआत में चुनाव होने वाले हैं। पिछले हफ्ते, सत्तारूढ़ सहयोगी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और विधानसभा में पार्टी के नेता और राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी और उनसे निर्विरोध चुनाव की अनुमति देने का आग्रह किया था। कांग्रेस के एक नेता ने कहा परंपराओं के अनुसार, जब भी किसी मौजूदा सदस्य की मृत्यु के कारण किसी रिक्ति को भरने के लिए ऐसे चुनाव होते हैं, तो वे आमतौर पर निर्विरोध होते हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने तर्क दिया कि अगर कांग्रेस ने सातव के परिवार के सदस्य को मैदान में उतारा होता तो वे अपना उम्मीदवार नहीं खड़ा करते, बल्कि पार्टी ने इस सीट के लिए एक पूर्व सांसद को नामित किया।

मंत्री मंडल विस्तार के साथ भाजपा ने खेला मास्टर स्ट्रोक

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मंत्री मंडल विस्तार करके भाजपा सरकार ने एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक खेलने का प्रयास किया है। क्योंकि भाजपा ने जिन चेहरों को आगे लाकर मंत्री बनाया है। उन जातियों की यूपी में ठीक-ठाक बहुलता है।

मंत्रिमंडल में एक कैबिनेट मंत्री और छह राज्य मंत्रियों के रूप में सात नए चेहरों को जगह मिली है। 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले हुए विस्तार में ब्राम्हण, पिछड़ा, दलित वर्ग को प्रतिनिधित्व देकर सामाजिक समीकरण को साधा गया है। इसके अलावा पश्चिमी यूपी और पूर्वांचल को जगह देकर क्षेत्रीय संतुलन बनाने की कोशिश गई है।

जितिन प्रसाद (ब्राह्मण) को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। वहीं, राज्यमंत्री के रूप में छत्रपाल गंगवार (कुर्मी), पलटूराम (जाटव), संगीता बलवंत बिंद (निषाद), संजीव कुमार गोंड (अनुसूचित जनजाति), दिनेश खटीक (सोनकर), धर्मवीर प्रजापति (प्रजापति समाज), छत्रपाल सिंह गंगवार (कुर्मी) वर्ग से मंत्री बने हैं।

मंत्रियों के चयन में इलाकों का भी बड़ी सावधानी से सेलेक्शन किया गया है। प्रदेश के हर कोने को समेट

लेने की कोशिश की गई है। योगी के मंत्रिमंडल में शामिल नए चेहरों में कोई चौंकाने वाला नहीं है।

भाजपा के एक बड़े नेता का कहना है कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले योगी सरकार मंत्री मंडल बिल्कुल मोदी मॉडल के रूप में हुआ है। इसीलिए बिल्कुल नए चेहरों को जगह दी गयी है। इनमें से 5 लोग ऐसे हैं जो पहली बार सदन पहुंचे हैं। 6 दलित और पिछड़े को चुनकर भाजपा ने उनके समर्थकों न केवल खुश करने का प्रयास किया है। बल्कि इन्हीं के जरिए ब्रांडिग भी करने जा रही है। गैर जाटव और यादव को जगह देकर अपनी चुनावी रोड मैप को ठीक किया गया है। उन्होंने बताया कि विस्तार के बाद ब्राम्हणों की संख्या 8 से बढ़कर 9 हो गयी है।

मंत्री मंडल विस्तार में पश्चिमी यूपी में खासकर आगरा, मेरठ, बरेली, शाहजहांपुर से एक-एक मंत्री बनाया गया है। वहीं पूर्वांचल से गाजीपुर, सोनभद्र, अवध के बलरामपुर से भी एक मंत्री बनाए गये हैं। अनुसूचित जाति और पिछड़ी जातियों की भागीदारी को बढ़ाकर तथा अनसूचित जनजाति को प्रतिनिधित्व देकर सोषल इंजीनियरिंग के फॉर्मूले को जमीन पर उतारने का प्रयास किया गया है। प्रदेश में 3 फीसद की हिस्सेदारी रखने वाली खटिक बिरादरी को विस्तार में जगह देकर गैर जाटव वोट मतदताओं को रिझाने का प्रयास किया गया है।

लोकसभा चुनाव बाद अगस्त 2019 में पहले विस्तार में क्षेत्रीय व जातीय संतुलन साधकर खामियों को दूर करने प्रयास किया गया है। पार्टी के रणनीतिकारों ने उन वर्गों व जातियों को राजनीति में भागीदारी देने का प्रयास किया गया है जिनके बीच में भाजपा की पकड़ व पहुंच बढ़ी है। साथ ही जिन्हें कई कारणों से सियासत में हशिए पर रहना पड़ा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि उ.प्र. मंत्रिमंडल का विस्तार पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के दर्शन को प्रतिबिंबित करता है। विस्तार हर तबके को प्रतिनिधित्व, सामाजिक संतुलन की भावना, समरसता का संदेश तथा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को अवसर प्रदान करने की मंशा से ओतप्रोत है।

सियासी दलों के निशाने पर फिर नौकरशाही

भोपाल (एजेंसी)।

सत्ता में कोई भी राजनीतिक दल हो, अगर कोई निशाने पर होता है तो वह नौकरशाही। मध्यप्रदेश में भी ऐसा ही कुछ हाल है। वर्तमान में भाजपा सत्ता में है और नौकरशाही उसके निशाने पर है तो इससे पहले कमलनाथ के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार थी और निशाने पर नौकरशाह हुआ करते थे।

सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाने की जिम्मेदारी सरकारी महकमे पर हुआ करती है। जब भी कोई योजना असफल होती है तो अफसरशाही निशाने पर आ जाती है। वर्तमान में भी ऐसा ही कुछ है। राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी हुए डेढ़ साल से अधिक का वक्त गुजर गया है, मगर इसमें से अधिकांश समय में कोरोना का संक्रमण रहा और सरकार की कई योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाया है। कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ने के बाद अब सरकार के सामने सरकारी मशीनरी की खामियां आने लगी हैं और यही कारण है कि शिवराज सिंह चौहान जनदर्शन के दौरान जिन इलाकों में जा रहे हैं, वहां सीधे सरकारी महकमे को फटकार लगा रहे हैं। निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर में तो उन्होंने तीन अधिकारियों को मंच से ही निलंबित कर दिया था। पन्ना में भी शिवराज सिंह चौहान के तेवर तल्ख नजर आए और अधिकारियों को हिदायतें दी। ऐसा ही कुछ नजारा सतना जिले के रैगांव विधानसभा क्षेत्र में देखने को मिला। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और खजुराहो संसदीय क्षेत्र के सांसद विष्णु दत्त शर्मा भी जब अपने संसदीय क्षेत्र के प्रवास पर थे, तो उन्हें सरकारी मशीनरी की लापरवाही और मनमानी की शिकायत मिली। यही कारण रहा कि शर्मा ने मंच से अधिकारियों को चेताया और साफ कहा कि उन्हें गरीब जनता के लिए काम करना होगा। समय पर दफ्तरों में मौजूद रहना होगा, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो वह नौकरी छोड़ दें। इससे पहले अगर हम कमलनाथ सरकार के कार्यकाल की बात करें तो कमलनाथ लगातार नौकरशाहों को फटकार लगाते रहते थे और कई बार उन्होंने विपक्ष में रहते हुए तथा सत्ता में आने के बाद यहां तक कहा कि उनकी चक्की बहुत महीना आटा पीसती है।

भारत बंद को लेकर केन्द्र पर बरसे केजरीवाल, कहा- किसानों की मांगें जायज,उनपर विचार करना चाहिये

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्र सरकार से तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगों पर विचार करने का अनुरोध किया और कहा कि अगर वह ऐसा करती है तो यह किसी के सामने ''झुकना'' नहीं होगा। उन्होंने सचिवालय में दिल्ली के लिए एक पर्यटन ऐप लॉन्च करने के एक कार्यक्रम के इतर कहा, हम भगत सिंह की जयंती मना रहे हैं। उन्होंने देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने इस दिन के लिये आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी थी कि किसानों को अपनी मांगों को मनवाने के लिये सड़कों पर बैठकर एक साल तक विरोध करना पड़े। संयुक्त किसान मोर्चा ने सोमवार को भारत बंद का आह्वान किया, जिसमेंचालीस किसान

यूनियन शामिल हैं। केजरीवाल ने कहा, (केंद्र) सरकार को उनकी मांगों पर विचार करना चाहिए।

किसानों की मांगों पर विचार करना किसी के सामने झुकने जैसा नहीं होगा क्योंकि किसान भी हमारे देश के लोग हैं। मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान नवंबर 2020 से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अपनी मांगों को उठाने के लिए बार-बार विरोध करने और भारत बंद का आह्वान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि उनकी मांगें जायज हैं और केंद्र को उन पर विचार करना चाहिए। एक अन्य कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि यह दुखद है कि किसानों को अपनी मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए भगत सिंह की जयंती पर भारत बंद का आह्वान करना पड़ रहा है। दिल्ली विधानसभा में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने के बाद उन्होंने कहा, अगर स्वतंत्र भारत में किसानों की नहीं सुनी जाएगी, तो उनकी कहां सुनी जाएगी? मैं केंद्र सरकार से उनकी मांगों पर जल्द से जल्द विचार करने की अपील करता हूं। केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने भी भारत बंद के आह्वान का समर्थन किया है।

नहीं मिली इटली जाने की इजाजत! ममता ने साधा केंद्र पर निशाना, कहा- मुझे हमेशा के लिए नहीं रोक सकते

मुंबई। (एजेंसी)।

केंद्र की भाजपा सरकार और तृणमूल कांग्रेस के बीच एक बार फिर से तकरार बढ़ सकती है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस की ओर से दावा किया जा रहा है कि ममता बनर्जी को इटली में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विदेश मंत्रालय ने अनुमति नहीं दी। कहा जा रहा है कि इस साल अगस्त में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को विश्व शांति सम्मेलन में भाग लेने के लिए रोम आमंत्रित किया गया था। लेकिन विदेश मंत्रालय ने उसे इस आधार पर बैठक में शामिल होने की अनुमति देने से इंकार कर दिया कि यह आयोजन किसी राज्य के मुख्यमंत्री की भागीदारी के लिए स्थिति के अनुरूप नहीं है। आपको बता दें कि रोम में स्थित एक कैथोलिक संघ, संत'एगिडियो समुदाय के अध्यक्ष मैक्रो इम्पाग्लियाज़ो द्वारा निमंत्रण दिया गया था।

आमंत्रित लोगों में जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल भी शामिल हैं। इस कार्यक्रम के लिए आमंत्रित एकमात्र भारतीय ममता बनर्जी को केंद्र सरकार द्वारा अनुमति नहीं दी गई। इसको लेकर तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता देवांग्शु भट्टाचार्य ने बनर्जी की विदेश यात्राओं में कथित हस्तक्षेप पर आपत्ति जताने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। भट्टाचार्य ने लिखा कि केंद्र सरकार ने दीदी की रोम यात्रा की अनुमति नहीं दी! पहले वे चीन यात्रा की अनुमति भी रद्द कर चुके हैं। हमने अंतरराष्ट्रीय संबंधों और भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए उस फैसले को स्वीकार किया। अब, क्यों इटली मोदी जी? बंगाल से आपको क्या दिक्कत है? छी!'

इसी को लेकर 30 सितंबर को होने वाले भवानीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रचार कर रही बनर्जी ने पूछा, 'आप (केंद्र सरकार) मुझे कितनी जगहों पर नहीं जाने देंगे?' उन्होंने आगे कहा कि आप मुझे हमेशा के लिए नहीं रोक सकते। आपको बता दें कि इस साल की शुरुआत में 292 में से 213 सीटें जीतकर टीएमसी लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव में सत्ता में लौटी। 200 से ज्यादा सीटें जीतने का लक्ष्य रखने वाली बीजेपी सिर्फ 77 सीटें ही जीत पाई थी। हालांकि ममता नंदीग्राम से चुनाव हार गईं।

उपचुनाव में जीत के लिए बीजेपी का साथ लेने को कांग्रेस बेकरार, अब क्या करेंगे 'छोटे सरकार'?

इंदौर। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में महाअघाड़ी सरकार के बनने के बाद से ही इसके ज्यादा दिन तक नहीं चलने की बातें और दावें विपक्षी दलों की ओर से अक्सर किए जाते हैं। इसके साथ ही शिवसेना के नेताओं यहां तक की उद्धव ठाकरे के बयानों को लेकर भी तमाम तरह की अटकलें चलती रहती हैं। लेकिन अब महाराष्ट्र की सियासत में एक नया ही माजरा देखने को मिला है। जब कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर एक अनुरोध किया जिसे बीजेपी द्वारा सर्हष स्वीकार कर लिया गया। राजनीति में ऐसा बेहद कम ही मौके पर देखने को मिला है, जब बीजेपी और कांग्रेस पार्टी चुनाव से जुड़े मुद्दे पर आम सहमत नजर आए हो। पूरा मामला क्या है आपको विस्तार से बताते हैं।

नाना पटोले ने फडणवीस से मुलाकात कर किया अनुरोध

आज ये खबर आई कि भाजपा ने महाराष्ट्र में राज्यसभा उपचुनाव से अपने उम्मीदवार संजय उपाध्याय का नाम वापस ले लिया, जिससे कांग्रेस उम्मीदवार रजनी पाटिल की निर्विरोध जीत का मार्ग प्रशस्त हो गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने पार्टी सदस्यों से विचार-विमर्श किया और पार्टी की कोर कमेटी की बैठक में इस मामले पर सामूहिक निर्णय लिया। दरअसल इस सीट पर मई में कांग्रेस के मौजूदा सांसद राजीव सातव की कोरोना से निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव की स्थिति बनी। पिछले हफ्ते, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले और राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट ने विपक्षी नेता देवेंद्र फडणवीस से मुंबई में उनके आवास पर मुलाकात की थी और भाजपा उम्मीदवार की वापसी का अनुरोध किया था।

आंकड़ों का गणित

जहां भगवा पार्टी ने अपने मुंबई महासचिव संजय उपाध्याय को मैदान में उतारा था, वहीं कांग्रेस ने पूर्व सांसद रजनी पाटिल को महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के उम्मीदवार के रूप में पेश किया। बता दें कि राज्य विधान सभा में 288 सदस्य राज्यसभा चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल का गठन करते हैं। संख्या के लिहाज से देखें तो कांग्रेस (44), एनसीपी (54) और शिवसेना (56) के पास एक साथ 154 सदस्य हैं, जबकि भाजपा के पास केवल 105 हैं। शेष 29 सदस्य छोटे दलों और निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनमें से एमवीए 15 सदस्यों और भाजपा 14 सदस्यों के समर्थन का दावा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

आनंद गिरि समेत तीनों आरोपी सात दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजे गए

प्रयागराज। महंत नरेंद्र गिरि की मौत के मामले में गिरफ्तार आनंद गिरि समेत तीनों आरोपियों को सात दिन की सीबीआई रिमांड पर ले लिया गया है। प्रयागराज में सीजेएम हरेंद्र नाथ की अदालत में प्रार्थना पत्र देते हुए सीबीआई ने दस दिन की रिमांड मांगी थी। अदालत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीनों आरोपियों आनंद गिरि, आद्या तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी से जानकारी भी ली। तीनों आरोपियों ने रिमांड का विरोध नहीं किया लेकिन कोर्ट से दो-तीन दिन का ही रिमांड देने की गुजारिश की। अदालत ने सीबीआई को आदेश दिया है कि रिमांड के दौरान थर्ड डिग्री का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। इसके अलावा जेल से तीनों को कस्टडी में लेने और वापस पहुंचाने के दौरान मेडिकल भी कराया जाएगा। रिमांड की अवधि 28 सितम्बर सुबह 9 बजे से 4 अक्टूबर की शाम 5 बजे तक तय की गई है। तीनों की रिमांड को लेकर आरोपियों के वकील और सीबीआई की तरफ से दोपहर दो बजे तक बहस चली। कोर्ट में आनंद गिरि के वकील ने कस्टडी का विरोध किया, जबकि जज ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से आनंद गिरि से बात की तो उन्होंने कस्टडी का विरोध नहीं किया बल्कि दो या तीन दिन की ही रिमांड स्वीकार करने की अपील की। प्रयागराज के बाघंबरी मठ में ठीक एक हफ्ते पहले नरेंद्र गिरि का शव पंखे से लटका मिला था। उनके कमरे से सुसाइड नोट भी बरामद किया गया था। इसमें शिष्य आनंद गिरि के अलावा लेटे हनुमान मंदिर के पुजारी रहे आद्या तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी पर परेशान करने का आरोप लगाया गया था। सुसाइड नोट में किसी लड़की के साथ महंत नरेंद्र गिरि का वीडियो बनाने और उसके जरिये ब्लैकमेल करने का आरोप आनंद गिरि पर लगाया गया था।

भारत बंदः सिंघु बॉर्डर पर हुई किसान की मौत

नई दिल्ली। किसानों के भारत बंद के दौरान दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर एक किसान की मौत हो गई है। हालांकि, दिल्ली पुलिस का कहना है कि किसान की मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने कहा है कि किसान की मौत का असली कारण पोस्ट मॉर्टम के बाद ही पता लगेगा। केंद्र सरकार के लाए तीन कृषि कानूनों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा की अगुवाई में देशभर के 40 से ज्यादा किसान संगठनों ने आज भारत बंद किया हुआ है। किसान संगठनों ने सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक के लिए यह भारत बंद बुलाया है, जिसके तहत सभी सरकारी और निजी दफ्तरों, संस्थानों, दुकानों और उद्योगों को बंद रखने की अपील की गई है। हालांकि, किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि सभी जरूरी सेवाएं जैसे अस्पताल, मेडिकल स्टोर आदि अपना काम जारी रख सकते हैं। भारत बंद की वजह से जगह-जगह भयंकर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई है। गुरुग्राम-दिल्ली हाइवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है तो वहीं कई शहरों में ट्रेनें भी थम गई हैं। दिल्ली से उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला गाजीपुर बॉर्डर किसान आंदोलनकारियों ने जाम कर दिया है। इसके चलते दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस रूट पर चलने वाले वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से जाने की सलाह दी है। यूपी से गाजीपुर बॉर्डर आ रहे वाहनों को फिलहाल दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से महाराजपुर बॉर्डर, अप्सरा बॉर्डर और भोपुरा बॉर्डर से गुजरने की सलाह दी गई है।

जम्मू-कश्मीरः डोगरा चौक में संदिग्ध बैग बरामद

जम्मू। जम्मू शहर के डोगरा चौक में एक संदिग्ध बैग बरामद हुआ है। चौक पर तैनात पुलिस की टीम बैग की जांच में जुटी है। इसके साथ ही विक्रम चौक में पुलिस ने स्पेशल नाका भी लगाया है। संदिग्धों पर पुलिस की पैनी नजर है। बता दें कि रविवार को शहर में एक आतंकी गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ में कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। उसको जम्मू में किसी व्यक्ति को मारने (सिलेक्टिव किलिंग) का टारगेट दिया गया था। इतना ही नहीं आतंकी सुनैन जम्मू रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़कर कहीं जाने की फिराक में था। अब उसे ट्रेन पकड़कर कहां जाना था, यह फिलहाल जांच का विषय है। लेकिन आतंकी के दिल्ली जाने की आशंका भी है। इसके साथ एक सवाल यह भी है, यदि उसे किसी व्यक्ति को मारने का टारगेट दिया गया था तो वह दिल्ली जाकर किसको मारना चाहता था? इसे लेकर भी आतंकी से गहन पूछताछ की जा रही है।

सेंट्रल विस्टाः पीएम के दौरे पर ओवैसी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार रात के संसद भवन निर्माण के निरीक्षण दौरे पर सवाल उठाए। ओवैसी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार संसद, संविधान का मूल ढांचा है। शक्तियों के विभाजन का सिद्धांत कहता है कि कार्य पालिका, न्याय पालिका और विधान मंडल की गतिविधियों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। प्रधानमंत्री उसी कार्य पालिका का हिस्सा हैं। हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आगे कहा कि अगर प्रधानमंत्री अकेले जाकर संसद भवन के निर्माण का निरीक्षण करते हैं तो मैं इसे पूरी तरह से गलत मानता हूं। यह` स्पष्ट रूप से शक्तियों के विभाजन के सिद्धांत का उल्लंघन है। एआईएमआईएम प्रमुख ने सवाल उठाया कि लोकसभा के स्पीकर सदन के संरक्षक हैं, वह इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ क्यों नहीं थे? ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को नए संसद भवन का दौरा करने के लिऐ अकेले नहीं जाना चाहिए था। उल्लेखनीय है कि रविवार की रात करीब 8.45 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नए संसद भवन 'सेंट्रल विस्टा' के निर्माण स्थल पर अचानक पहुंच गए थे। यहां उन्होंने करीब एक घंटा व्यतीत किया था और निर्माण कार्य की प्रगति की स्थिति जानी थी। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत एक नए संसद भवन और नए आवासीय परिसर का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना की सितंबर 2019 में घोषणा की गई थी।

भारत बंद का मिला-जुला असर

25 से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित, एमपी में दिग्विजय सिंह का धरना, छत्तीसगढ़, राजस्थान में आंशिक खुले बाजार

नई दिल्ली। देशभर के कई राज्यों में किसानों का भारत बंद जारी है। मोदी सरकार के नए कृषि कानूनों के विरोगध में बुलाए गए इस बंद का सबसे ज्यादा असर पंजाब, हरियाणा, गुड़गांव और दिल्ली में दिखाई दे रहा है। एक ओर किसानों ने जहां हाईवे, टोल प्लाजा पर चक्काजाम कर दिया है। वहीं दूसरी तरफ किसानों रेलवे ट्रेक पर भी बैठ गए हैं। इससे दिल्ली, अंबाला और फिरोजपुर डिवीजन में रेल यातायात प्रभावित हुआ है। दिल्ली से चलने वालीं कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। दिल्ली से कटरा के लिए चली वंदे भारत एक्सप्रेस पानीपत स्टेशन पर खड़ी है। जबकि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में किसानों के बंद का मिलाजुला असर देखने को मिला रहा है। उत्तर रेलवे के के अधिकारियों ने अमर उजाला को बताया कि किसानों के भारत बंद के कारण दिल्ली, अंबाला और फिरोजपुर डिवीजन में रेल ट्रैफिक प्रभावित हुआ है। दिल्ली डिवीजन में 20 से अधिक स्थानों पर किसान ट्रैक पर बैठे हैं। अंबाला और फिरोजपुर डिवीजनों में करीब 25 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इस कारण नई दिल्ली अमृतसर- शान ए पंजाब, नई दिल्ली-मोगा स्पेशल ट्रेन, पुरानी दिल्ली-पठानकोट स्पेशल, नई दिल्ली-अमृतसर शताब्दी और नई दिल्ली-कालका शताब्दी रद्द कर दी गई है। नई दिल्ली से सुबह छह बजे कटरा के लिए चली वंदे भारत एक्सप्रेस पानीपत स्टेशन पर खड़ी है। किसानों के इस भारत बंद असर दिल्ली के यातायात पर भी पड़ रहा है। दिल्ली-गुरुग्राम हाइवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। डीएनडी पर भी गाड़ियों की रफ्तार धीमी होने से सड़कों पर लंबी कतार देखी जा रही है। गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों ने एनएच-9 और एनएच-24 जाम कर दिया है। किसान बीच सड़क पर बैठ गए हैं, इससे वाहनों का रास्ता रुक गया है।

किसानों के इस बंद का असर मध्यप्रदेश में बहुत कम देखने को मिला। राजधानी भोपाल में इसका खास असर नजर नहीं आया। प्रदेश में कांग्रेस समेत अनेक विपक्षी दलों ने इस बंद को समर्थन दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अगुआई में बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता भी करोंद मंडी पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए करोंद मंडी गेड पर बैरिकेडिंग कर दी गई और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात है। इस दौरान दिग्विजय सिंह करोंद मंडी के गेट पर ही धरने पर बैठ गए हैं। दिग्विजय सिंह के साथ उनके भाई लक्ष्मण सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद हैं। प्रदेश के बडे शहर इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, रतलाम जैसे शहरों में भारत बंद को मिला-जुआ समर्थन दिखा है। सभी जगहों पर हाईवे पर और मुख्य सड़कों पर वाहनों की आवाजाही जारी है। इधर, छत्तीसगढ़ में राजधानी रायपुर समेत आसपास के जिलों में भारत बंद का असर नहीं दिखा। सभी बाजार आम दिनों की तरह ही पूरी तरह खुले रहे। राजधानी के बूढ़ापारा धरना स्थल में किसान संगठन के नेता जुटे और उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी किया। किसानों के इस बंद को राज्य कांग्रेस पार्टी ने भी समर्थन दिया हैं।

योगी सरकार का फैसला

यूपी में इन आठ गांवों का बदल जाएगा जिला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर के भारतीय जनता पाटी (भाजपा) विधायक जटाशंकर तिवारी की पहल पर महराजगंज जिले के दुर्गम क्षेत्र में स्थित आठ गांवों को जल्द ही कुशीनगर में शामिल किया जायेगा। गंडक नदी के उस पार के महराजगंज जिले के आठ ऐसे गांव हैं, जहां के ग्रामीणों को अपनी ही तहसील या जिला मुख्यालय जाने में दुर्गम रास्तों से 70-80 किलोमीटर दूरी तय करनी पड़ती है। इन गांवों की करीब 20 हजार आबादी के लिए ढंग के रास्ते नहीं है। उन्हें बिहार और कुशीनगर के खड्डा तहसील क्षेत्र से होकर अपने तहसील या जिला मुख्यालय आना-जाना पड़ता है। इन गांवों के लोग बाढ़ से भी जूझते हैं। ग्रामीणों की समस्या के बारे में खड्डा विधायक जटाशंकर त्रिपाठी ने शासन-प्रशासन को अवगत कराया। उन्होंने इन गांवों को खड्डा तहसील में शामिल कराने की मांग की। उनकी इस पहल की संस्तुति करते हुए जिलाधिकारी ने आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश शासन को पत्र भेजा है। खड्डा विधानसभा क्षेत्र के खड्डा तहसील के राजस्व ग्राम शिवपुर, मरचहवा, नरायनपुर, हरिहरपुर और बसंतपुर गंडक नदी के उस पार रेता क्षेत्र में स्थित हैं। इन गांवों से सटे महराजगंज जिले के निचलौल तहसील क्षेत्र के सोहगीबरवां, कपरधिक्का, नरसिंहपुर, शिकारपुर, बकुलहिया, खुटहवां, बनसप्ती एवं भौतहां स्थित हैं। यह सभी राजस्व गांव जिला और तहसील मुख्यालय से काफी दूर होने के साथ वहां तक पहुंचने में भौगोलिक रूप से रास्ता अत्यंत ही दुर्गम और जटिल है। प्रत्येक वर्ष गंडक नदी की बाढ़ से इन गांवों के लोग प्रभावित रहते हैं। बाढ़ एवं अन्य दैवीय आपदाओं के समय राहत व बचाव कार्य तथा शासन की ओर से चलाई जा रही जनहित की योजनाओं को क्रियान्वित करने में कठिनाई होती है। इस संबंध में जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने कहा कि महराजगंज जिले की निचलौल तहसील के आठ गांव ऐसे हैं, जहां के लोगों को तहसील या ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए बिहार और कुशीनगर की खड्डा तहसील होते हुए 70-80 किलोमीटर दूरी तय करनी पड़ती है। उन्हें जाति, आय, निवास प्रमाणपत्र बनवाना हो या किसी जरूरत से आना-जाना हो तो काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। खड्डा के विधायक जटाशंकर ने ऐसे लोगों की पीड़ा समझी और उन गांवों को कुशीनगर की खड्डा तहसील में शामिल करने का प्रस्ताव दिया। हमने खुद उन क्षेत्रों को देखा है, ऐसे दुर्गम क्षेत्रों के लोगों के लिए खड्डा आना ज्यादा सुगम है। इसलिए उन आठ गांवों को खड्डा तहसील में शामिल करने की संस्तुति कर शासन को भेज दी है। शासन स्तर से कुछ औपचारिकताएं बाकी हैं। उसके बाद उन आठ गांवों की लगभग 20 हजार आबादी की समस्याएं सुलझ जाएंगी। विधायक जटाशंकर त्रिपाठी ने कहा कि निचलौल तहसील क्षेत्र के सोहगीबरवां, कपरधिक्का, नरसिंहपुर, शिकारपुर, बकुलहिया, खुटहवां, बनसप्ती एवं भौतहां गांव के लोग अपने ही तहसील और जिला मुख्यालय नहीं जा पाते। आवागमन से लेकर सरकारी सुविधाओं के लाभ से वंचित हो जाते हैं। वहां के लोगों की पीड़ा दूर कराने के लिए दो साल से प्रयास कर रहे हैं।

इंदौर के इस बार में शराब पीने से दो महीने पहले हुई थी तीन की मौत, आज प्रशासन ने कर दिया जमींदोज

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक शराब बार में दो महीने पहले जहरीली शराब पीने से तीन लोगों की मौत हो गई। सोमवार को प्रशासन ने इस बार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इसे जमीदोंज कर दिया। भू-माफिया के खिलाफ जारी अभियान के दौरान इस बार पर कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक जुलाई में मीथेनॉलयुक्त जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के बाद बार संचालक व अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि मरीमाता चौराहे पर विकास बरेडिया द्वारा इस बार के लिए नगर निगम से मंजूरी नहीं ली गई थी। यह बार 1,150 वर्ग फुट में दो मंजिला बनाया गया था। अधिकारियों के मुताबिक भू-माफिया के खिलाफ एक अन्य कार्रवाई में पिपल्याराव क्षेत्र में सात भवनों को ढहा दिया गया। यह गुटकेश्वर महादेव मन्दिर की 1.26 हेक्टेयर भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाए गए गए थे। इससे करीब पांच करोड़ रुपये के बाजार मूल्य की भूमि अतिक्रमण से मुक्त हो गई।

भवानीपुर उपचुनावः प्रचार के आखिरी दिन हिंसा

नई दिल्ली। भवानीपुर उपचुनाव के लिए आज चुनाव प्रचार का अंतिम दिन है। आज कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (इखढ) और तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की भी की गई। जादूबाबू बाजार में भगवा खेमे की रैली में हुई इस घटना के बाद बीजेपी ने बंगाल सरकार की तुलना तालिबान शासन से की है। टीएमसी कार्यकताओं ने 'दिलीप घोष वापस जाओ' के नारे लगाए। घोष के साथ गए सुरक्षाकर्मियों को उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। उनमें से दो को कैमरे में तब कैद किया गया जब उन्होंने टीएमसी कार्यकताओं को डराने के लिए उन पर बंदूक तान दी। इस दौरान घोष भी उत्तेजित हो गए और भीड़ पर चिल्लाने लगे। उन्होंने 'जय श्री राम' के नारे भी लगाए। कैमरे में कैद हुए घोष को यह कहते हुए सुना जा सकता है, "मैं तुम्हारा गला घोंट दूंगा। ऐसा मत सोचो कि मैं किन्नर हूं। अभिषेक बनर्जी पर चिल्लाओ।" घटना जादू बाबू बाजार में हुई जहां घोष पैदल प्रचार कर रहे थे। आपको बता दें कि इस झड़प में कई बीजेपी कार्यकर्ता घायल हो गए। इस हिंसा को लेकर भाजपा नेता अग्निमित्र पॉल ने कहा, "सीएम ममता बनर्जी सहित टीएमसी सरकार असहिष्णु है, हमें प्रचार करने की अनुमति नहीं दे रही है। टीएमसी के गुंडों ने हमारे कार्यकताओं को प्रताड़ित किया, उन्हें पीटा। 30 सितंबर को वोट देने से पहले फैसला करें।"

दिल्ली : रोहिणी कोर्ट शूटआउट की लाइव अपडेट ले रहा था तिहाड़ में बंद गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया

नई दिल्ली। दिल्ली में रोहिणी कोर्ट रूम के अंदर शुक्रवार को हुई चौंकाने वाली फायरिंग से पहले तिहाड़ जेल में बंद एक अन्य गैंगस्टर फोन पर लाइव अपडेट ले रहा था। इस शूटआउट में कुख्यात गैंगस्टर जितेंद्र मान गोगी और वकीलों के वेश में आए दो हमलावर मारे गए थे। गोगी 30 से अधिक आपराधिक मामलों में वॉन्टेड था। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि गोगी की हत्या के पीछे लंबे समय से उसके प्रतिद्वंद्वी रहे टिल्लू ताजपुरिया का हाथ था। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों के अनुसार, टिल्लू हमलावरों- राहुल त्यागी और जगदीप जग्गा और अन्य शामिल लोगों के साथ लगातार संपर्क में था। उसके पास एक फोन था, जिससे पता चलता है कि अदालती गोलीबारी में एक और बड़ी सुरक्षा चूक हुई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, टिल्लू गोगी को मारने के लिए भेजे गए दोनों हमलावरों से मिनट दर मिनट लाइव अपडेट ले रहा था। सूत्रों ने कहा कि वह उनसे यहां तक पूछ रहा था कि वे रोहिणी कोर्ट से कितनी दूर हैं और कब पहुंचेंगे। वह दो और साथियों विनय और उमंग के भी संपर्क में था, जिन्हें अब गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने कथित तौर पर दोनों को अदालत पहुंचने और लाइव अपडेट देने के लिए कहा था। टिल्लू कथित तौर पर उस वक्त घबरा गया जब उसे पता चला कि दोनों शूटर पहले से ही भारी पुलिस उपस्थिति के बीच में फंसे हुए थे और अपने प्लान को अंजाम दे रहे थे। सूत्रों ने कहा कि उसने महसूस किया कि उसके गुर्गों के लिए पुलिस से बचना और कॉल काटना मुश्किल होगा। टिल्लू ने कथित तौर पर अपने दो अन्य लोगों को तुरंत बुलाया। सूत्रों ने बताया कि जब उन्होंने उसे बताया कि वे रोहिणी कोर्ट में पार्किंग स्थल पर पहुंच गए हैं, तो टिल्लू ने उन्हें भागने के लिए कहा। अदालत परिसर में हथियारबंद लोगों के कोर्ट रूम तक प्रवेश की जांच सुरक्षा में एक बड़ी खामी के तौर पर देखी जा रही है। इसे भी एक बड़ी चूक माना जा सकता है कि एक गैंग के सरगना ने एशिया की सबसे बड़ी उच्च सुरक्षा वाली तिहाड़ जेल के अंदर फोन का उपयोग करके एक हत्या और उसकी निगरानी की योजना बनाई, लेकिन पुलिस को पता तक नहीं चला। सूत्र बताते हैं कि अगर घटना या उसकी योजना के दौरान किसी भी समय गैंगस्टर का फोन तलाश कर जब्त कर लिया जाता, तो हत्याओं को रोका जा सकता था।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेलः-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईलः-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पताः- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेलः-krantisamay@gmail.com